दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 03
अंकः-284
मुरादाबाद
03 February 2024
(Satursday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

बदायूं-पीलीभीत से लखनऊ के लिए सीधी ट्रेन अप्रैल से, रेल ट्रैक को ब्राडगेज में बदलने का काम पूरा

पीलीभीत-मैलानी-लखनऊ रेल मार्ग को ब्राडगेज करने और विद्युतीकरण का काम भी पूरा हो चुका है। फरवरी के अंत तक रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएम) का निरीक्षण और अप्रैल में पीलीभीत-शाहगढ़-मैलानी-लखनऊ रेल रूट पर ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा।पीलीभीत-शाहगढ़ के बीच वन क्षेत्र में आने वाले 20 किमी रेल ट्रैक को ब्राडगेज में परिवर्तित करने का काम पूरा हो गया है। फरवरी के अंत तक रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएम) का निरीक्षण और अप्रैल में पीलीभीत-शाहगढ़-मैलानी-लखनऊ रेल रूट पर ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा। इससे कासगंज-बदायूं वाया बरेली-पीलीभीत-लखनऊ के लिए रेल सेवा का रास्ता खुल जाएगा। इसके अलावा पूर्वोत्तर रेलवे को टनकपुर-पीलीभीत-लखनऊ, काठगोदाम-पीलीभीत-लखनऊ-गोरखपुर रेल मार्ग भी मिल जाएंगे। पीलीभीत-मैलानी-लखनऊ रेल मार्ग को ब्राडगेज करने और विद्युतीकरण का काम भी पूरा हो चुका है। शाहगढ़-पीलीभीत के बीच की लाइन पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) से गुजरती है। इस कारण इस रेल खंड में काम देरी से पूरा हो सका।

यूपी बजट सत्रः सीएम योगी की अपील, दलीय सीमाओं से उठकर सकारात्मक चर्चा का हिस्सा बने विपक्ष

यूपी बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल की कार्यवाही को सुचारू और नियमसंगत तरीके से आगे बढ़ाने के लिए सदन के सभी सदस्यों से आह्वान किया है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वर्ष 2024 के उत्तर प्रदेश विधानमंडल के सत्र शुभारंभ के अवसर पर सभी विपक्षी सदस्यों से दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर प्रदेश के विकास के लिए सदन में सकारात्मक चर्चा की अपील की। सत्र शुभारंभ के पूर्व उन्होंने कहा कि देश और दुनिया में प्रदेश के बारे में जो सकारात्मक माहौल बना है, विरोधी दल भी उसका लाभ लेकर सकारात्मक चर्चा में अपना योगदान देंगे। इस अवसर पर सीएम योगी ने अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए भी सभी को बधाई दी। अभिभाषण सरकार की उपलब्धियों और भावी योजनाओं का महत्वपूर्ण दस्तावेज-सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला की भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सकुशल संपन्न होने की आप सभी को हृदय से बधाई देता हूं और आज से प्रारंभ हो रहे वर्ष 2024 के उत्तर प्रदेश विधानमंडल के सत्र शुभारंभ अवसर पर सभी माननीय सदस्यों का हृदय से स्वागत करता हूं। सत्र का शुभारंभ माननीय राज्यपाल के अभिभाषण से हुआ। अभिभाषण सरकार की उपलब्धियों और भावी योजनाओं का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है। किसी भी वर्ष के शुभारंभ के पहले का सत्र का जो बिजनेस होता है वह विधानमंडल में माननीय राज्यपाल के अभिभाषण से ही शुरू होता है। सकारात्मक चर्चा के लिए जाना जा रहा है विधानमंडल- सीएम योगी ने कहा कि यह बजट सत्र है तो वर्ष 2024-25 का बजट भी इस दौरान उत्तर प्रदेश विधानमंडल में प्रस्तुत होगा और वर्ष भर की आय और व्यय को लेकर सदन में चर्चा होगी। सत्र प्रारंभ होने के पहले दलीय नेताओं के साथ बैठक और उससे पूर्व बिज़नेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक करके जो कार्य योजनाएं तय हुई हैं, उसके अनुसार सरकार ने अपनी पूरी तैयारी भी की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल 25 करोड़ जनता जनार्दन की आशा और आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का एक केंद्र है। जनता से जुड़े हर सुख और दुख से जुड़ी हुई घटनाओं का यह साक्षी है। प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल पिछले 5-6 वर्षों के अंदर लोकतंत्र के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में अपनी सकारात्मक चर्चा के लिए जाना जा रहा है। इस अवसर पर अपने विपक्षी मित्रों से भी अपील करूंगा की जो माननीय सदस्यों की भावनाएं हैं उसे दलीय सीमाओं से उठकर के प्रदेश के विकास के लिए विधान सभा या विधान परिषद को हमें एक सकारात्मक चर्चा का केंद्र बनाने की आवश्यकता है और इस दृष्टि से यह सत्र हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण सत्र होगा। विरोधी दल सकारात्मक चर्चा में लें हिस्सा-सीएम योगी ने कहा कि सत्र के दौरान राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा होगी। उसका जवाब भी सरकार की तरफ से दिया जाएगा। बजट पर चर्चा के अवसर पर सदस्यों को महत्वपूर्ण मुद्दों और अनुदान मांगों पर अपनी राय रखने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अलावा अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र से जुड़े हुए या प्रदेश के विकास से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बातों को सदन के समक्ष रखने का भी अवसर प्राप्त होगा। पूर्ण विश्वास है कि देश और दुनिया में प्रदेश के बारे में जो सकारात्मक माहौल बना है, विरोधी दल भी उसका लाभ लेकर सकारात्मक चर्चा में अपना योगदान देंगे। हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है सरकार-उन्होंने कहा कि हमने दलीय नेताओं की बैठक में इस बारे में बहुत ही स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार विधानमंडल की कार्रवाई का हिस्सा बनने वाले हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और उससे संबंधित जो तथ्यपरक और सही जानकारी होगी उसको सदन के समक्ष रखने और माननीय सदस्यों को अवगत कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल की कार्रवाई को सुचारू और नियमसंगत तरीके से आगे बढ़ाने के लिए सभी का आह्वान करता हूं। लोकतंत्र के उन मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप सत्र की कार्रवाई को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में उनके सकारात्मक योगदान की भी अपेक्षा रखता हूं।

वापस जाओ... के नारों और हंगामे के बीच राज्यपाल ने पढ़ा पूरा अभिभाषण, कई जगह रुककर जवाब भी दिया

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र शुक्रवार से प्रारंभ हो गया। सत्र के पहले दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विधानमंडल के दोनों सदनों को संबोधित किया और सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की। वर्तमान बजट सत्र 12 फरवरी तक चलेगा। पांच फरवरी को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना विधानसभा में वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश करेंगे। छोड़ सभी का टिकट काटने जा रही है भाजपा-सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी विधानसभा सत्र के शुरू होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैं आपको एक ब्रेकिंग न्यूज दे रहा हूं। भाजपा लोकसभा चुनाव 2024 में एक सांसद (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) को छोड़कर सबका टिकट काटने जा रही है और उनकी भी सीट बदल दी जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) ही एनडीए को हराएगा। भाजपा सरकार में युवा बेरोजगारी से त्रस्त है। 10 साल सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा बेरोजगारी कम नहीं कर पाई है। किसानों से किए गए उनके सभी वादे अधूरे हैं। भाजपा ने अपने राज में किसानों को सबसे ज्यादा दुखी किया है।राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा के सदस्य लगातार नारेबाजी और हंगामा करते रहे। सभी विपक्षी सदस्य राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगा रहे थे। इस दौरान भाजपा के सदस्य भी शोरगुल करने लगे। हालांकि, राज्यपाल अपना अभिभाषण पढ़ती रहीं।राज्यपाल बोलीं, रामराज्य स्थापित करने में सफल रही सरकार- राज्यपाल ने अपने अभिभाषण के अंत में कहा कि प्रदेश सरकार अपनी योजनाओं के क्रियान्वयन और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए प्रदेश में रामराज्य स्थापित करने में सफल रही है। प्रदेश में दो बार हुई इंवेस्टर्स समिट, जी20, विश्वकप 2023 के आयोजन के साथ ही प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सकुशल संपन्न हुआ है जिसने दुनिया के सामने प्रदेश की एक नई छवि रखी है।प्रत्येक जिले में खेलो इंडिया सेंटर की हो रही स्थापना-राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर काम कर रही है। इसके लिए प्रत्येक जिले में खेलो इंडिया सेंटर की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही खिलाड़ियों को अलग-अलग सेवाओं में नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है।सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के विधायक लगातार हंगामा और शोरशराबा करते रहे और राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगा रहे थे। इस पर राज्यपाल ने भी जवाब दिया और कहा कि कौन चला जाएगा... ये बाद में पता चलेगा। मैं तो जाने वाली नहीं...। इसके बाद उन्होंने अपना अभिभाषण पढ़ना जारी रखा। राज्यपाल के जवाब देने से भाजपा सदस्य भी उत्साहित हो गए और एक स्वर में उनका समर्थन किया।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है। ये बजट सत्र है और बजट सत्र में सभी विधायकों को भाग लेकर उत्तर प्रदेश के विकास के लिए अपना योगदान करना चाहिए। समाजवादी पार्टी अपने डीएनए को कभी भी बदल नहीं पाई... उसका अराजकता और गुंडई फैलाना अभी भी कायम है...।राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में अयोध्या में चल रही विकास योजनाएं गिनाई। उन्होंने कहा कि इन विकास परियोजनाओं से दिव्य व भव्य अयोध्या दुनिया के सामने आ रही है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत के सांस्कृतिक गौरव की पुर्नस्थापना हुई है। उन्होंने कहा कि दीपोत्सव ने अयोध्या को नई पहचान दी है और अब प्राण प्रतिष्ठा के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु नगर आ रहे हैं। अभिभाषण के दौरान लगातार हो रहे हंगामे से नाराज होकर राज्यपाल ने कुछ देर के लिए अभिभाषण बंद कर दिया और विपक्ष के सदस्यों की तरफ देखकर कहा कि ... और शोर मचाइए...। इसके बाद अभिभाषण पढ़ना जारी रखना। विपक्ष के सदस्य प्रदेश की कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए लगातार सदन में नारेबाजी कर रहे हैं।राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए सरकार ने एक जिला एक उत्पाद योजना की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपराधों के नियंत्रण के लिए मजबूत कानून व्यवस्था, बिजली सप्लाई में निरंतरता पर खास ध्यान दिया है जिससे कि प्रदेश में उद्योगों को बड़ी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश तेज गति से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जल्द ही प्रदेश पांच हवाईअड्डों वाला प्रदेश बन जाएगा।राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए अपने अभिभाषण की शुरुआत की। राज्यपाल के अभिभाषण के प्रारंभ होते ही विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा और शोरगुल शुरू कर दिया। हालांकि, इस दौरान भी राज्यपाल अभिभाषण पढ़ती रहीं। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा देश में रामराज्य के प्रारंभ का प्रतीक है। उन्होंने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर प्रदेश सरकार की पीठ ठोंकी और कहा कि इससे राज्य को बड़ा लाभ हुआ है। सुदृढ़ कानून व्यवस्था और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से निवेशक प्रदेश में आने के लिए लालायित हैं।दोपहर 12.30 बजे राज्यपाल का अभिभाषण पढ़कर सुनाया जाएगा। तीन फरवरी को भाजपा विधायक मानवेंद्र सिंह और सपा विधायक एसपी यादव के निधन पर शोक प्रस्ताव के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित हो जाएगी।डल का बजट सत्र आज से शुरू हो रहा है। अब से कुछ ही देर में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल विधानमंडल में अभिभाषण पेश करेंगी। यह बजट सत्र आज से शुरू होकर 12 फरवरी तक चलेगा। पांच को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना विधानसभा में वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश करेंगे।

व्यापारियों ने पेटीएम पर पाबंदियों का किया समर्थन, बोले- ग्राहकों की सुरक्षा सबसे जरूरी

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, इस मामले में व्यापारियों और पेटीएम ग्राहकों को सचेत होकर आरबीआई की पाबंदियों के प्रभाव को समझना जरूरी है। देश में डिजिटल पेमेंट करने वाले उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ऐसी निगरानी आवश्यक है...देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रिजर्व बैंक द्वारा %पेटीएम पेमेंट बैंक% पर लगाई गई पाबंदियों का समर्थन किया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, इस मामले में व्यापारियों और पेटीएम ग्राहकों को सचेत होकर आरबीआई की पाबंदियों के प्रभाव को समझना जरूरी है। देश में डिजिटल पेमेंट करने वाले उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ऐसी निगरानी आवश्यक है। वर्तमान में, फिनटेक सेक्टर में जिस प्रकार से बड़ी कंपनियां, नियमों एवं कानूनों की धता बता रही हैं, उनका उल्लंघन कर रही हैं, ऐसे में केंद्रीय बैंक का यह आदेश बाजार की अखंडता को मजबूत करता है।कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पेटीएम पर लगाई गई पाबंदियां, व्यापारियों एवं ग्राहकों के हित में हैं। रिजर्व बैंक का यह कड़ा निगरानी वाला कदम, देश में सभी के द्वारा नियम और विनियमों का पालन करने की आवश्यकता पर बल देता है। यह एक्शन प्रधानमंत्री मोदी के उस दृष्टिकोण की स्पष्टता को जाहिर करता है, जिसमें कहा गया है कि नियम न मानने वाला चाहे कितना ही बड़ा क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। प्रवीन खंडेलवाल के अलावा कैट के दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष विपिन आहूजा ने कहा, फिनटेक इकोसिस्टम में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक एवं सरकार प्रतिबद्ध है। वित्तीय क्षेत्र की अखंडता और स्थिरता को बनाए रखने के लिए ऐसी निगरानी आवश्यक है। खासतौर पर ऐसे लोगों के लिए, जो कानून का पालन न करने के आदी हैं। कैट के पदाधिकारियों के अनुसार, रिजर्व बैंक का यह कदम एक निगरानीय हस्तक्षेप है। उपभोक्ताओं की सुरक्षा को बनाए रखने के लिए यह कार्रवाई जरूरी थी। डिजिटल वित्तीय प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों के विश्वास को बनाए रखने के लिए आरबीआई के इस निर्णय को एक प्रोएक्टिव कदम के रूप में देखा जा रहा है। मौजूदा परिस्थितियों में केंद्रीय बैंक का यह आदेश, बाजार की अखंडता को मजबूत करता है। पेटीएम पर प्रतिबंध, बड़ी कंपनियों के बीच जवाबदेही की आवश्यकता को हाइलाइट करता है।

कड़ी सुरक्षा के बीच ज्ञानवापी मस्जिद में जुमे की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न, 2 हजार के करीब रहे नमाजी

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ज्ञानवापी मस्जिद में शुक्रवार को शांतिपूर्ण तरीके से जुमे की नमाज संपन्न हुई। नमाजी ज्ञानवापी से बाहर निकल रहे हैं। ज्ञानवापी में नमाजियों के पुराने रिकॉर्ड टूट गए।आज 2000 के करीब नमाजियों की संख्या रही। नमाज के बाद करीब 45 मिनट तकरीर चली। तकरीर में मुल्क में अमन और भाईचारे का संदेश दिया गया। वहीं, ज्ञानवापी तहखाने पर आए फैसले पर तकरीर में कोई चर्चा नहीं हुई। तकरीर के दौरान देश के लोकतंत्र पर चर्चा हुई। इशारे में कहा कि देश मे लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। जुमे की नमाज को लेकर ज्ञानवापी नमाजियों से पूरी तरह फुल हो गई थी। ऐसे में नमाजियों को काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार पर रोका गया। पुलिस प्रशासन द्वारा लोगों से यह बोलकर रोका गया कि अंदर बहुत ज्यादा लोगों की भीड़ हो गई है। लोगों से कहा गया कि शहर के अन्य मस्जिदों में नमाज अदा करें।ज्ञानवापी में हिंदू पक्ष की ओर से पूजा शुरू होने के बाद शुक्रवार को जुमे की नमाज के कारण भारी संख्या में नमाजी ज्ञानवापी पहुंच रहे हैं। वहीं अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के ज्वॉइंट सेक्रेटरी यासीन ने शांति बनाए रखने की अपील की है। आस-पास के क्षेत्रों में पुलिस ड्रोन से निगरानी कर रही है। वहीं ज्ञानवापी में पूजा शुरू होने के बाद अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी द्वारा बनारस बंद का एलान किया गया। बंदी के एलान के बाद नमाज शुरू होने से पहले ही भारी संख्या में नमाजी ज्ञानवापी पहुंचने लगे।नमाजियों की संख्या को देखते हुए प्रशासन ने चौकसी बढ़ा दी है। जुमे की नमाज के मद्देनजर प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। नमाज अदा करने जाते वक्त अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के जॉइंट सेक्रेटरी मोहम्मद यासीन ने शांति बनाए रखने को लेकर अपील की है। उन्होंने कहा कि हमें कोई नाराजगी नहीं है। ज्ञानवापी मस्जिद व आस-पास के क्षेत्रों में भारी पुलिसबल तैनात किए गए हैं। ड्रोन से पूरे क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है।

संपादकीय Editorial

Dynasty of mandate

Let's start from Jharkhand. The election mandate there was given to the JMM alliance, which elected Hemant Soren as the Chief Minister. Now he is accused in many serious scams. Should it be so that if he is arrested, his wife Kalpana Soren should be made the Chief Minister of the state? Should the elected MLAs accept a face who is not even an MLA as their Chief Minister? Since Hemant Soren is the 'high-ranking leader' of JMM, should his order or request be accepted? The mandate was given to the JMM alliance under the leadership of Soren. Can that mandate also be transferred to the wife, son-daughter or any other member of the family? In layman's terms, can a job held by an individual be transferred within the family? Can you say that I am handing over my appointment letter to my family, he will come to work from tomorrow? Your job will be rejected immediately. In fact, these questions are very serious in the context of our Constitution and democracy and question our system itself. It was arranged in the Constitution that the MLAs of the majority party would choose their leader. The Governor will administer the oath of office to that person as Chief Minister. Similarly, in Parliament, MPs choose their Prime Minister. Since Hemant Soren faces serious allegations of scams and the Enforcement Directorate (ED) is investigating him. It is the prerogative of ED or any investigating agency to arrest the Chief Minister or interrogate him, prepare a charge sheet and file it in the court. Meanwhile, when the then Bihar Chief Minister Lalu Yadav was sent to jail in the fodder scam, he got his wife Rabri Devi elected as the Chief Minister by the party MLAs.

Rabri was not even an MLA and was administratively illiterate, yet she remained on the post of Chief Minister for about 8 years. There cannot be a cruel joke on party democracy and the Constitution. It is a long time ago, when Devi Lal was made the Deputy Prime Minister at the Centre, his eldest son Omprakash Chautala was made the Chief Minister of Haryana. There were many 'Mahamas' during that period regarding his election. When Indira Gandhi was assassinated while she was the Prime Minister, then President Giani Zail Singh administered the oath of office to Rajiv Gandhi. He was not even an MP. However, when Lok Sabha elections were held a few months later, Congress under the leadership of Rajiv Gandhi won 414 seats. However, in the context of Hemant Soren, if his wife is made the Chief Minister, it will be another dynasty of the mandate. The question is why no other senior MLA within the party should be elected Chief Minister? The way Hemant Soren remained 'missing' for 41 hours when he was the Chief Minister. The Governor and top bureaucrats and police officers had no clue of him.

The security agencies were left wondering where the Chief Minister had gone? Charter flight from Ranchi to Delhi, Delhi to Kolkata and then returning to Ranchi by road… Why did the Chief Minister need this? Even if he had some personal work, the security convoy should have accompanied the Chief Minister. The question is about the security of the Chief Minister, who is the supreme executive constitutional face of the state. If it is 'missing' it can be assumed that there is a lot of black in the pulses. ED could have arrested him in Delhi itself. ED has recovered Rs 36.34 lakh, BMW SUV car and some documents related to scams from the Chief Minister's Delhi residence. However, this ED will investigate, but we are concerned with the dynastic nature of the mandate, on which we have raised some concerned questions.

Budget 2024-25: Prime Minister Narendra Modi is not afraid of elections in the last interim budget of the second term.

In the last few years, the budgets of some states and previous central governments were full of populist promises, but Union Finance Minister Nirmala Sitharaman has maintained the vision of the Modi government from her first budget till this budget. As it was thought that the last interim budget of Narendra Modi government would be populist just before the Lok Sabha elections, it did not happen. Neither the farmers' honor fund was increased, nor was there any change in the income tax syllabus to please the middle class. There was hope of reducing the prices of petrol and diesel by bringing them under the ambit of Goods and Services Tax (GST), but the government did not say a word on this. Prime Minister Narendra Modi made it clear that he is not afraid of the elections and is working on his development. We are not ready to give up our vision. His government intends that the pace of development in the country should not stop. This is the development budget. In simple language, budget means that how and in which direction will we spend the money that is coming to us? This is the real budget and this is what it should be. In the last few years, the budgets of some states and previous central governments were full of populist promises, but Union Finance Minister Nirmala Sitharaman has maintained the vision of the Modi government from her first budget till this budget. It is clear from the budget that whatever direction Prime Minister Narendra Modi wants to take the country, no matter what happens, no matter what circumstances he has to face, he will not waver. Scheme to provide free electricity - In the interim budget, the Finance Minister also tried to puncture the schemes of some opposition governments to provide free electricity. By installing solar panels on rooftop, one crore families will be able to get up to 300 units of free electricity per month. This scheme was launched by Prime Minister Narendra Modi on January 22, the day of Pran Pratistha in Ram temple in Ayodhya. With this, a family will save Rs 15-18 thousand every year. The government has also laid great emphasis on renewable energy in the budget. The government's tax revenue has increased three times since 2014, but the government intends to spend the increased amount on the development of the country instead of investing it in free schemes. This is a good thing for the country. The Finance Minister clarified that he is committed to bringing the fiscal deficit below 4.5 percent by the financial year 2025-26 and due to this, the fiscal deficit is estimated to be 5.1 percent of the GDP in the financial year 2024-25. This step of the government is in the interest of the country, but for this the government will have to take strict steps. Another good thing is that the corporate tax of indigenous companies has been reduced. Now they will have to pay tax of 22 percent instead of 30 percent. For some new manufacturing companies it will be only 15 percent. This will give impetus to development. One good thing in the interim budget is that the government has decided to withdraw the tax cases and demands pending before the financial year 2009-10. An amount of about Rs 25,000 crore is stuck. The Finance Minister also said that this will provide relief to one crore honest taxpayers from legal troubles. After Amrit Kaal, now the Modi government has talked about the duty period, that is, the government has a clear opinion that all Indians together have to make a developed India by the year 2047. Everyone has to perform their duty. A direction of development is visible in the interim budget. What the Prime Minister is saying about the guarantee of development is reflected. Modi government has made a roadmap for development in the last few years and they are following it. In her budget speech, Finance Minister Nirmala Sitharaman also said that she will present the full budget in July, this shows the confidence of the government. The Finance Minister himself said that while continuing the tradition of interim budget, we have avoided making any populist announcements in the interim budget. However, there is some relief in the budget. The Modi government will present the entire budget after two months with a new mandate in the Lok Sabha elections. Union Finance Minister Smt. Nirmala Sitharaman, while presenting her sixth budget and first interim budget, gave a clear message that the Modi government is not completely sure about coming to power for the third time. He is not only confident but also determined to move forward on the road map he has prepared so far for the country's economy. This interim budget also contains the message that the Indian economy is growing with full strength across the world and will continue to grow like this. Since this was an interim budget, no one expected any kind of populist announcements in it. The Finance Minister himself said that while continuing the tradition of interim budget, we have refrained from making any kind of populist announcements in the interim budget. Have done. However, there is some relief in the budget. Modi government will present the entire budget after two months with a new mandate in the Lok Sabha elections. But that too will be an extension of the interim budget, which will have a road map for the country's economic development with the concept of 'Developed India'. Despite being small, there are hints of the full future budget hidden in this interim budget. Perhaps that is why Prime Minister Narendra Modi said in his response that this is the budget for building the country. However, this does not mean that the major problems of the country like increasing debt, unemployment, poverty, inflation etc. will be solved through this budget. But if we look at it in the context of the crisis in the economies of the rest of the world, then Finance Minister Nirmala Sitharaman has tried her best to present a rosy picture of the country. It is also true that despite various internal and external problems of the country, India's economy is progressing at its own pace. According to experts, there is no such provision in the budget that money will come into the hands of people. But we may see such provisions in the full budget. This budget has also created some records with itself. Firstly, being the second female Finance Minister of the country, she also holds the record of presenting the budget for the sixth consecutive time and giving the shortest speech of 58 minutes in comparison to her previous speeches. When Prime Minister Narendra Modi made Nirmala Sitharaman his Finance Minister after returning to power for the second time in 2019, many questions were floating about her abilities, because in this country the former Prime Minister had been the Finance Minister for some time. Barring the tenure of Mrs. Indira Gandhi, the finance department has been the domain of men. Another tragedy was that only a year after Nirmala Sitharaman became the Finance Minister, the country had to face Covid, due to which the country's economy was greatly disturbed. But now there should be no hesitation in saying that after Covid, she has brought the country's economy back on track to a great extent and this interim budget is also full of confidence. This interim budget is mainly inspired by the spirit of maintaining the pace of economic growth and poor welfare, which mainly focuses on 4 sectors. These are- poor, women, youth and farmers. The government knows that these classes have the most importance in terms of voting in elections and their votes also ensure that the government returns to power. Therefore it is also important from political point of view. The Union Finance Minister claimed that poverty is decreasing in the country due to the economic policies of the Modi government. The government has brought 25 crore people out of poverty. ? 34 lakh crore sent to accounts under Garib Kalyan Yojana. Similarly, the Finance Minister claimed that today about 1 crore women in the country have become Lakhpati Didi, now the target is to make 3 crore Lakhpati Didi. Referring to skill development among the youth, the Finance Minister said that three thousand new IITs have been opened in the country. 54 lakh youth have been trained. Indian youth have achieved success in the Asian Games. Referring to the PM Kisan Yojana implemented in view of the contribution of agriculture sector in the economy and employment, the Finance Minister said that it has provided financial help to 11.8 crore people. With reference to the taxation system, increase in defense budget and other schemes, the Finance Minister said that no change has been made in the direct or indirect tax slabs. Whereas defense expenditure has been increased by 11.1%. The country's defense expenditure will now be 3.4% of GDP. Similarly, the Finance Minister also announced to provide benefits of Ayushman Yojana to Asha sisters, promote oilseeds research and provide 300 units of free electricity every month. As far as tax relief to the middle class is concerned, Finance did not make any changes in the existing income tax slabs nor imposed any new taxes. However, he definitely presented a rosy picture of tax collection in the country. The Finance Minister said that income tax collection in the country has increased three times in 10 years. The increasing fiscal deficit in the budget is a matter of concern. Finance Minister Sitharaman said that the current fiscal deficit is estimated to be 5.1 percent. We will reduce it further further. I have cut the tax rate. In the presented interim budget, there is an expenditure of Rs 44.90 lakh crore and the estimated revenue is Rs 30 lakh crore. Referring to foreign investment, Sitharaman said that FDI has doubled in the country in the last 10 years. In order to provide relief to the companies, the corporate tax has been reduced in the budget.The rate has been reduced to 22 percent. In the budget, with a view to improving the quality of railways, the Finance Minister announced that 40 thousand general rail coaches will be like Vande Bharat, a new scheme will be started under Blue Economy 2.0, the government will promote electric vehicles. Recently, after relations with neighboring country Maldives became tense, Modi government also announced to promote infrastructure development in Lakshadweep located in the Indian maritime border. The Finance Minister said that the government has made a provision of 11.1% more expenditure for the development of infrastructure in the country. He also talked about giving interest free loan of Rs 1 lakh crore for 50 years. Women, children and middle class have also been taken care of in the budget. Finance Minister Nirmala Sitharaman said that the government will focus on cervical cancer vaccination of girls. Similarly, a new housing scheme will be brought for the middle class, under which 2 crore more houses will be built in the next 5 years. 3 crore houses have been built under PM Awas. Overall the interim budget is a trailer of the upcoming full budget. There does not appear to be any panic or haste in this. Finance Minister Sitharaman also said that in the Amritkaal of the country, our government will adopt such policies which will lead to development of all. We will follow the path of reform, perform and transform. The interim budget is also a strong step on this path. Referring to foreign investment, Sitharaman said that FDI has doubled in the country in the last 10 years. In order to provide relief to the companies, the corporate tax has been reduced in the budget.The rate has been reduced to 22 percent. In the budget, with a view to improving the quality of railways, the Finance Minister announced that 40 thousand general rail coaches will be like Vande Bharat, a new scheme will be started under Blue Economy 2.0, the government will promote electric vehicles. Recently, after relations with neighboring country Maldives became tense, Modi government also announced to promote infrastructure development in Lakshadweep located in the Indian maritime border. The Finance Minister said that the government has made a provision of 11.1% more expenditure for the development of infrastructure in the country. He also talked about giving interest free loan of Rs 1 lakh crore for 50 years. Women, children and middle class have also been taken care of in the budget. Finance Minister Nirmala Sitharaman said that the government will focus on cervical cancer vaccination of girls.

गांव चलो अभियान अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला बैठक आयोजित की गई

क्यूँ न लिखूँ सच

अमरोहा- मंडल बछरायूं भाजपा कार्यालय पीली कोठी मोहल्ला बकाबाद में गांव चलो अभियान अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र चौधरी जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ रोहित आर्य मंडल अध्यक्ष भाजपा ने कहा चुनाव के लिऐ कमर कसनी होगी और योजनाओं को घर घर जाकर व चोपाल बैठक के माध्यम से ग्राम वासियों शहर वासीयों व प्रभावशाली व्यक्ति तक पहुंचना भाजपा का लक्ष्य है बूथ अध्यक्ष ग्राम सयोजकों और प्रवासियों को पूर्ण निष्ठा से गांव चलो अभियान को सफल करना है ओर योजनाओ प्रचार करना हे नमो ऐप सरल ऐप के माध्यम से लोगो को मोदी सरकार के किए कार्य से जोड़ना अति आवश्यक है बैठक में उपस्थि मंडल के सभी देवतुल्य कार्यकर्ता जितेंद्र सैनी सुभाष सुरेश अंकुर सुनील डा हुसैन चिरागुद्दीन इरफान मोहित प्रवीन हरिओम संजय गब्बर सिंह और साथ प्रभाशाली व्यक्ति शक्तिकेंद्र सयोजक ,प्रभारी आदि मौजूद रहे

बारिश के बाद साफ हुआ मौसम, धूप निकलने से राहत...गलन बरकरार

तापमान बढ़ा, न्यूनतम तापमान 5 से बढ़कर 7 डिग्री और अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस हुआ

मुरादाबाद - बारिश के बाद शुक्रवार को सुबह से ही धूप निकलने से लोगों को राहत मिली। अधिकतम और न्यूनतम बढ़ गया। लोगों ने धूप सेंक कर मौसम का आनंद लिया। बुधवार की रात और गुरुवार को हुई बारिश से अधिकतम और न्यूनतम तापमान लुढ़क गया था। लेकिन शुक्रवार को कड़ी धूप निकलने से लोगों को ठंड और गलन से लोगों को राहत मिली। लोगों ने घर के बाहर और पार्क में बैठ कर समय बिताया।

तेज धूप तापमान बढ़ गया। न्यूनतम तापमान 5 से बढ़कर 7 डिग्री और अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहा। कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. आरके सिंह का कहना है कि अब मौसम साफ रहेगा। सुबह और शाम कहीं घना और कहीं मध्यम कोहरा छाया रहेगा।

ज्ञानवापी प्रकरण के बाद जुमा की नमाज को लेकर पुलिस अलर्ट, जामा मस्जिद में फोर्स तैनात

मुरादाबाद - ज्ञानवापी के तहखाने में पूजा-पाठ शुरू होने के बाद पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है।

शुक्रवार को जामा मस्जिद में नमाज को लेकर पुलिस सतर्क है। शासन से अलर्ट जारी होने के जामा मस्जिद के आस-पास क्षेत्र में अधिक सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस और पीएसी के जवान पैदल मार्च कर रहे हैं। इसके साथ ही आरएएफ की एक अतिरिक्त कंपनी को तैनात किया गया है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि जुमा की नमाज को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इंटरनेट मीडिया में प्रसारित होने वाले संदेशों की निगरानी की जा रही है।

बारिश के बाद गिरा कच्चा मकान, मलबे में दबकर महिला की मौत, रात में हुई घटना का लोगों को सुबह चला पता

मुरादाबाद - चंदौसी की करेली में कच्चा मकान गिरने से महिला की मौत हो गई। वह घर में अकेली रहती थी। बारिश के बाद रात को हुई घटना का लोगों को सुबह पता चला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया था। चंदौसी कोतवाली क्षेत्र के गांव करेली में बारिश के बाद बृहस्पतिवार की रात कच्चे मकान की छत गिर गई। मलबे में दबकर नथिया देवी (60) की मौत हो गई। सुबह लोगों ने मलबा देखा,तो शव बाहर निकाला। जिला रामपुर के शाहबाद थाना क्षेत्र के गांव जसतपुर निवासी नथिया देवी का मायका चंदौसी क्षेत्र के गांव करेली है।मायके में उसके कोई भाई नहीं था। काफी समय से नथिया देवी गांव करेली में अपने मायके में अकेली रहती थी। बृहस्पतिवार की रात वह अपने कच्चे मकान में सो रही थी। रात को किसी समय कच्चे मकान की छत व दीवार गिर गई। जिससे कमरे में सो रही महिला मलबे में दब गई। सुबह के समय माघ परिक्रमा कर रहे ग्रामीणों ने मकान का मलबा देखा, तो महिला के बारे में जानकारी ली। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने आनन फानन में मलबा हटाया और महिला को बाहर निकाला। इससे पहले ही महिला की मौत हो चुकी थी। महिला के बेटे को हादसे की सूचना दी गई। थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव पीएम के लिए भेजा है। महिला की मौत से परिवार का माहौल गमगीन है। ग्रामीणों ने बताया कि उसका बेटा हरिओम जसतपुर गांव में अपने परिवार के साथ रहता है। महिला की दो बेटियां उषा और कृष्णा की शादी हो चुकी है। बेटा व उसकी बहु महिला से मिलने आते रहते थे।

बच्चों के विवाद में दरी विक्रेता की पीट-पीटकर हत्या, अचानक पहुंचे हमलावर और परिजनों के सामने मार डाला

मुरादाबाद -संभल के जिजौड़ा में बच्चों के विवाद के बाद दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इससे गुस्साए एक पक्ष ने दूसरे के घर में जाकर हमला कर दिया। इसमें दरी विक्रेता की मौत हो गई। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। संभल जिले के गांव जिजौड़ा डांडा में बच्चों के विवाद के बाद भड़के एक पक्ष ने दरी विक्रेता शाकिर (47) की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। अलीगढ़ की तहसील अतरौली के गांव दादो के मूल निवासी शाकिर की जिजौड़ा डांडा में ससुराल है। बीस साल से इसी गांव में रहते थे। उनके साले अनवार ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम शाकिर के बच्चों का पड़ोस के बच्चों से विवाद हो गया था। कुछ लोगों ने बीच-बचाव करा दिया था। इसके बाद भी दूसरे पक्ष के लोगों ने शाकिर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमलावरों के भागने पर शाकिर को निजी चिकित्सक के पास ले गए, जहां मृत घोषित कर दिया गया।रजपुरा थाने की पुलिस ने अनवार की तहरीर पर गांव के ही वारिस, इदरीश, मक्को, इन्ना और शरीफा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एएसपी डॉ. श्रीश्चंद्र ने बताया कि एक आरोपी हिरासत में है। अन्य की तलाश की जा रही है। अकेला कमाने वाला था शाकिर -शाकिर की मौत से बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है। चार बेटियों के अलावा दो बेटों की जिम्मेदारी शाकिर के कंधों पर थी। तीसरे और सबसे बड़े बेटे की शादी हो चुकी है। वह भी मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता है। शाकिर की हत्या से अन्य दो बेटों के सिर पर जिम्मेदारी आ गई है। मृतक के साले अनवार ने बताया कि उनके जीजा करीब 20 वर्ष पहले अलीगढ़ की तहसील अतरौली अंतर्गत गांव दादो से आकर गांव जिजौड़ा में बस गए थे। मेहनत मजदूरी कर मकान भी गांव में बना लिया था। तीन बेटे और चार बेटियों के अलावा परिवार में पत्नी की जिम्मेदारी उठाते थे। कुछ समय पहले बेटे की शादी कर है। वह भी मेहनत मजदूरी करता है। बताया कि पूरे परिवार की जिम्मेदारी शाकिर के कंधों पर थी। बच्चों के मामूली विवाद में शाकिर की पीटकर हत्या कर दी। अब परिवार के सामने आर्थिक संकट मंडराने की स्थिति है। चार बेटियों की शादी की जिम्मेदारी भाइयों के कंधो पर है। घर के बाहर कर दिया हमला-गांव के लोगों ने बताया कि आरोपी पक्ष ने अचानक से आकर हमला किया। जिस समय हमला किया गया तब शाकिर अपने घर के बाहर खड़े हुए थे। इसी दौरान लाठी-डंडों से पीटा गया। ग्रामीणों के अनुसार आरोपी काफी देर तक पीटते रहे। जब काफी लोग एकत्र हुए तो आरोपी छोड़कर भागे। तब तक काफी देर हो चुकी थी। ग्रामीण भी शाकिर की मौत से गमगीन हैं क्योंकि वह भले व्यक्ति के तौर पर जाने जाते थे।

अभिनेत्री अमीषा पटेल को कोर्ट से बड़ी राहत, मंजूर हुई जमानत

मुरादाबाद - अभिनेत्री अमीषा पटेल अर्जी पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ अजय कुमार ने सुनवाई जमानत की मंजूरी दे दी है। अमीषा पर मुरादाबाद में एक पार्टी से 11 लाख रुपए एडवांस लेकर भी डांस न करने और रुपए न लौटने का आरोप है। इस मामले में अभी कुछ दिन पहले ही अमीषा पटेल मुरादाबाद आई थी और अपने प्रथम जमानती प्रार्थना पत्र पर हस्ताक्षर कर लौट गई थी। अमीषा ने अपने जमानती प्रार्थना पत्र में कहा था कि उन्हें गिरफ्तारी का भय है, उन्हें जमानत दी जाए। अभिनेत्री के अधिवक्ता अभिषेक कुमार शर्मा ने बताया कि जिला जज ने सुनवाई के बाद प्रथम जमानत प्रार्थना पत्र पर मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि अब इस मामले में ट्रायल चलेगा, सबूत प्रस्तुतीकरण की कार्रवाई होगी। उसके बाद गवाह एवं बहस का काम शुरू होगा। फिलहाल, अभिनेत्री को जमानत मिलने से बड़ी राहत मिली है।

पुलिसकर्मियों ने ढाबे में खाया खाना, पैसे मांगने पर नशे में मचाया उत्पात, कहा- जेल भेज देंगे तब पता चलेगा

मुरादाबाद -संभल जिले के चंदौसी में पुलिसकर्मियों ने नशे में जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि ढाबे में दोनों ने जमकर खाना खाया। इसके बाद पैक भी करवाया। जब मालिक ने पैसे मांगा तो दोनों हंगामा करने लगे। इस बीच एक युवक ने बीचबचाव करवाया तो उसे जमकर पीट दिया। चंदौसी में बृहस्पतिवार की देर रात खाने के पैसे मांगने पर पुलिसकर्मियों ने ढाबे पर जमकर उत्पात मचाया। विरोध करने पर ढाबा संचालक से गाली गलौज की। बचाव में उतरे एक युवक को बुरी तरह से पीटा। काफी देर तक मौके पर हंगामे की स्थिति बनी रही। चंदौसी में सीओ ऑफिस से चंद कदम दूर स्थित ढाबे पर बृहस्पतिवार की रात दो कांस्टेबल खाना खाने के लिए पहुंचे थे। पहले दोनों ने ढाबे पर बैठकर शराब पी। इसके बाद खाना पैक करवाया। आरोप है कि दोनों कांस्टेबल बिना पैसे दिए ही जाने लगे। ढाबा स्वामी ने उन्हें पैसे के लिए टोका। इस पर दोनों कांस्टेबल आग बबूला गए। गुस्साए कांस्टेबलों ने ढाबा स्वामी से गाली गलौज शुरू कर दी। यहां मौजूद एक युवक ने जब पुलिस कर्मियों को वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करने की धमकी दी। इस पर दोनों कांस्टेबल युवक पर टूट पड़े। गिरेबान पकड़कर युवक को जमीन पर पटक दिया। इसके बाद लात घूंसों से युवक को बुरी तरह पीटा। मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को बचाने का प्रयास किया तो उनसे भी गाली गलौज की गई। काफी देर तक मौके पर हंगामे की स्थिति बनी रही। भीड़ होते देख कांस्टेबल मौके से फरार हो गए। ढाबा संचालक ने बताया कि दोनों पुलिसकर्मी पहले भी कई बार बिना पैसे दिए खाना खाकर चले गए हैं। पैसे मांगने पर जेल भेजने की धमकी देते हैं। पुलिसकर्मी कहां तैनात हैं, इसकी जानकारी नहीं है। ढाबे पर पुलिसकर्मी से विवाद की जानकारी मिली है। मामले को दिखवाते है, जो भी दोषी होगा। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। -डॉ प्रदीप कुमार, सीओ चंदौसी

अब्दुल्ला आजम की जन्मतिथि अदालत ने की निर्धारित, छजलैट बवाल के दौरान थे नाबालिग

मुरादाबाद -सोलह साल पहले दो जनवरी 2008 को छजलैट थाने के सामने वाहन चेकिंग के दौरान रामपुर के पूर्व सपा सांसद एवं पूर्व मंत्री आजम की गाड़ी पुलिस ने रुकवा ली थी। जिसको लेकर सपा नेता और कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए थे। इसमें अब्दुल्ला और आजम समेत कई नेताओं पर केस दर्ज हुआ था। जिला जज डॉ. अजय कुमार की अदालत ने अब्दुल्ला आजम की उम्र निर्धारित कर दी। 16 साल पुराने छजलैट प्रकरण में दोषी ठहराए गए अब्दुल्ला आजम ने खुद को नाबालिग बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में सजा के खिलाफ अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला जज की अदालत में सुनवाई चली। अदालत ने अब्दुल्ला आजम की जन्मतिथि 1 जनवरी 1993 निर्धारित की है। अदालत ने सबूतों के आधार पर अब्दुल्ला आजम के वाद को खरिज कर दिया।सोलह साल पहले दो जनवरी 2008 को छजलैट थाने के सामने वाहन चेकिंग के दौरान रामपुर के पूर्व सपा सांसद एवं पूर्व मंत्री आजम की गाड़ी पुलिस ने रुकवा ली थी। जिसको लेकर सपा नेता और कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए थे। इस मामले में आजम खान, अब्दुल्ला आजम समेत अन्य नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। इस मामले में मुरादाबाद की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने आजम खान और अब्दुल्ला आजम को दोषी करार देते हुए दो-दो साल की सजा सुनाई थी। शेष आरोपियों को मुकदमे से साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया था। अब्दुल्ला आजम ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करते हुए कहा था कि वह घटना के वक्त नाबालिग थे। जिन्हें अवर न्यायालय को सजा देने का अधिकार नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने जनपद न्यायाधीश मुरादाबाद को आदेशित किया गया कि वह अब्दुल्ला आजम की उम्र का निर्धारण कर रिपोर्ट भेजें। जिला शासकीय अधिवक्ता नितिन गुप्ता एवं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव अग्रवाल और मोहन लाल विश्नोई ने बताया कि जनपद न्यायाधीश डॉ. अजय कुमार ने दोनों पक्षों की ओर से बहस सुनी। दोनों पक्षों ने अदालत में दस्तावेज भेज पेश किए। अदालत ने दोनों पक्षों की ओर से दाखिल किए गए सबूतों के आधार पर अब्दुल्ला आजम की जन्म जन्मतिथि 1 जनवरी 1993 की निर्धारित की है। 2 जनवरी 2008 को अब्दुल्ला आजम की उम्र 15 साल एक दिन थी। अदालत ने अब्दुल्ला को नाबालिग घोषित किया है। अदालत ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में भेज दी है। मजिस्ट्रेट कोर्ट में नहीं किया था नाबालिग होने का दावा-नितिन गुप्ता ने बताया कि छजलैट प्रकरण में एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम और आजम खां को 13 फरारी 2023 को दो-दो साल की सजा सुनाई थी।

रंजिश के चलते दो पक्षों में मारपीट, फायरिंग में एक जख्मी, मारपीट में तीन चोटिल

मुरादाबाद - पटवाई थाना क्षेत्र के मथुरापुर कला गांव में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। इस बीच फायरिंग में एक युवक को छर्रे लग गए। इससे वह घायल हो गया। तीन घायल हुए हैं। घायल पक्ष के पवन कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि सुबह के समय गांव निवासी सोनू, बबलू, राजेंद्र सिंह, मुकेश लाठी डंडे व तमंचा लेकर उसके घर पहुंच गए।आरोप है कि उन्होंने गाली गलौज करने लगे हमला कर दिया। फायरिंग में वह घायल हो गया। मौके पर रमेश, जियालाल, प्रमोद और आरती को लाठी डंडों से घायल कर दिया। सभी घायलों का रामपुर जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पटवाई थाना प्रभारी अजय शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। घायलों को रामपुर इलाज के लिए भेज दिया गया है। डॉक्टर की रिपोर्ट से पता चलेगा कि घायल के गोली लगी है या किसी और चीज से चोटिल हुआ है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महा विकास अघाड़ी की बैठक में शामिल हुए प्रकाश आंबेडकर, आम चुनाव के लिए सीट शेयरिंग पर मंथन

महा विकास अघाड़ी(एमवीए) की बैठक में वंचित बहुजन अघाड़ी(वीबीए) के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने भी शिरकत की। इस दौरान तमाम सहयोगी दलों में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारों पर मंथन किया गया। वंचित बहुजन अघाड़ी(वीबीए) के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सक्रिय हो गए हैं। शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर हुई बैठक में प्रकाश आम्बेडकर शामिल हुए। उद्धव गुट की शिवसेना के नेता संजय राउत ने महा विकास अघाड़ी(एमवीए) की बैठक की तस्वीरों को साझा किया। गौरतलब है कि बैठक में कांग्रेस और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार मौजूद रहें।महा विकास अघाड़ी(एमवीए) नेताओं के मुताबिक, तमाम सहयोगी दलों ने सीट बटंवारे पर चर्चा की। साथ ही सीट शेयरिंग को लेकर अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। हालांकि अभी 10

से 12 सीटों पर मंथन होना बाकी है। बता दें महाराष्ट्र में 48 लोकसभा सीटें हैं। उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा लोकसभा सीट वाला राज्य महाराष्ट्र ही है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए संजय राउत ने लिखा, वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में शामिल होने से भारत के संविधान की रक्षा की लड़ाई मजबूत हो गई है। खास बात है कि 2019 के आम चुनावों में भाजपा ने 23 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की थी, उसके बाद अविभाजित शिवसेना ने 18 सीटों को हासिल किया था। 2019 में के लोकसभा चुनाव में एनसीपी को चार सींटे मिली थी, वहीं एक-एक सीट कांग्रेस, एआईएमआईएम और एक निर्दलीय उम्मीदवार को मिली थी। बता दें 30 जनवरी को एमवीए ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) को अपने में शामिल करने की घोषणा की थी।

एक साथ चुनाव पर कोविंद समिति कब देगी रिपोर्ट ? डेडलाइन पर सरकार ने संसद में दिया जवाब

देश में एक साथ चुनाव कराने की संभावनाओं पर मंथन कर रही समिति की अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कर रहे हैं। कानून मंत्रालय ने संसद में एक सवाल के जवाब में कहा कि इस समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कोई डेडलाइन नहीं दी गई है।देश में एक साथ चुनाव कराने की संभावनाओं पर विचार कर रही सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामानाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति गठित की है। समिति एक साथ चुनाव कराने से जुड़े तमाम पहलुओं पर विचार कर रही है। ताजा घटनाक्रम में कानून मंत्रालय ने संसद में एक सवाल के जवाब में अहम जानकारी दी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संसद के बजट सत्र के तीसरे दिन एक लिखित जवाब में लोकसभा को बताया कि कोविंद समिति को कोई डेडलाइन नहीं दी गई है। राजनीतिक दलों की तरफ से 35 प्रतिक्रियाएं मिलीं; कोई डेडलाइन तय नहीं- मेघवाल ने बताया कि कोविंद समिति को देश में एक साथ चुनाव कराने की संभावनाओं पर राजनीतिक दलों की तरफ से 35 प्रतिक्रियाएं मिल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इस उच्च स्तरीय समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कोई समयसीमा नहीं दी गई है। सरकार से यह भी पूछा गया कि क्या समिति के लिए विभिन्न क्षेत्रों से मिल रहे सुझावों पर विचार करने के लिए कोई समय सीमा तय की गई है? इस सवाल पर भी मेघवाल ने कहा कि समिति के सामने समय की

पाबंदी नहीं है।

समिति किन चुनावओं और पहलुओं पर मंथन करेगी

गौरतलब है कि सरकार ने सितंबर, 2022 में पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था। इस समिति को मौजूदा संवैधानिक ढांचे का ध्यान रखते हुए लोकसभा, राज्यों की विधानसभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों में एक साथ चुनाव की संभावनाओं पर मंथन के बाद सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। समिति चुनावी खर्च, सुरक्षाबलों की जरूरत, चुनाव और मतदानकर्मियों की उपलब्धता जैसे पहलुओं पर विचार के बाद सरकार को देश में एक साथ चुनाव कराने की संभावना पर अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपेगी।

पैनल में कौन-कौन शामिल हैं? सुझाव भेजने के लिए वेबसाइट का गठन

पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली समिति में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव डॉ. सुभाष सी कश्यप व पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी भी शामिल हैं। एक राष्ट्र-एक चुनाव के लिए एक वेबसाइट www.onoe.gov.in तैयार की गई है। इस पर सुझाव दिए जा सकते हैं।

समिति ने राजनीतिक दलों के अलावा जनता से भी सुझाव मांगे

इससे पहले जनवरी के तीसरे हफ्ते में हुई समिति की तीसरी बैठक में यह बात सामने आई कि देशभर से 20972 सुझाव मिले हैं। समिति के मुताबिक सुझावों से संकेत मिलता है कि देश की 81 फीसदी जनता एक राष्ट्र, एक चुनाव के पक्ष में है। इसके अलावा समिति ने 46 राजनीतिक दलों से भी सुझाव मांगे थे। अब तक सिर्फ 17 दलों ने ही सुझाव दिए हैं। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दलों ने देश में एकसाथ चुनाव कराने के विचार का विरोध किया है।

डीएम की निगरानी फेल, एंबुलेंस का संचालन बेहद घटिया; 30 दिन में पांच बार समय पर नहीं पहुंची

एटा में डीएम की निगरानी लगभग फेल नजर आ रही है। यहां एंबुलेंस का संचालन ठीक प्रकार से नहीं हो पा रहा है। 30 दिन में पांच बार एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। उत्तर प्रदेश के एटा में सरकारी एंबुलेंस 108 व 101 एंबुलेंस समय से मरीजों तक पहुंचे। इसके लिए डीएम द्वारा निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी लगातार चेकिंग कर रहे हैं। इसके बाद भी एंबुलेंस देरी से पहुंच रही हैं। 108 की एक एंबुलेंस माह में पांच बार देरी से पहुंची। इस पर चालक व ईएमटी को कंपनी से हटाने के लिए पत्र लिखा गया है। एंबुलेंस प्रभारी लोकमन सिंह ने बताया बृहस्पतिवार की रात को डिप्टी सीएमओ डॉ. सतीश चंद्र नागर के साथ अवागढ़ में एंबुलेंसों की पड़ताल की गई। इस दौरान एक एंबुलेंस समय से पहुंचती नहीं मिलीं। एक एंबुलेंस के माह में पांच बार देरी से पहुंचने की बात सामने आई। इस पर इस 108 एंबुलेंस के चालक अनिल व ईएमटी राहुल को सेवा से हटाने के लिए पत्र लिखा है। पूर्व में भी इस एंबुलेंस की शिकायतें आने पर चालक व ईएमटी को जलेसर से अवागढ़ भेजा गया था। उन्होंने बताया अवागढ़ में दो और एंबुलेंसों की पड़ताल की गई। दोनों में व्यवस्थाएं सही मिलीं।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा- उत्तराखंड की तरह दूसरे राज्य भी लाएंगे यूसीसी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली में एक प्रेसवार्ता के दौरान यह कहा है।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता से प्रदेश के हर व्यक्ति को न्याय और समानता लागू हो सकेगी। उन्होंने कहा कि ड्राफ्ट पर किसी तरह की अफवाह फैलाना सही नहीं है...उत्तराखंड की तरह भाजपा शासित अन्य राज्य भी यूसीसी ला सकते हैं। उत्तराखंड का प्रस्तावित कानून दूसरे राज्यों के लिए एक मॉडल बन सकता है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली में एक प्रेसवार्ता के दौरान यह कहा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता से प्रदेश के हर व्यक्ति को न्याय और समानता लागू हो सकेगी। उन्होंने कहा कि ड्राफ्ट पर किसी तरह की अफवाह फैलाना सही नहीं है। आज ही उन्हें ड्राफ्ट मिला है। इसका अध्ययन करने के बाद ही इसकी बातें विस्तृत रूप में सामने आ सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह तय है कि जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए ही इसे लाया जाएगा।

पांचवीं पास ने चार हजार में खरीदी वर्दी... बन गया इंस्पेक्टर, हाईवे पर वसूली और आटो चालकों पर रंगबाजी पेशा

उत्तर प्रदेश के आगरा में राष्ट्रीय राजमार्ग के अबुल उलाह कट पर वर्दी पहना एक युवक फर्जी इंस्पेक्टर बनकर वाहनों की चेकिंग कर रहा था। मोबाइल से फोटो लेने के बाद चालान की धमकी देकर वसूली कर रहा था। मामले की जानकारी थाना न्यू आगरा पुलिस को मिली। दरोगा पहुंचा तो खाकी और तीन स्टार देखकर पहले तो सकते में आ गया। सलाम करने के बाद चेकिंग का कारण पूछा। बातों-बातों में ही असली नकली का फर्क पता कर लिया। फर्जी इंस्पेक्टर की पुष्टि होने पर आरोपी को पकड़ लिया। पांचवीं पास युवक ने चार हजार में वर्दी खरीद ली। इसके बाद फर्जी इंस्पेक्टर बन गया। हाईवे पर वसूली और आटो चालकों पर रंगबाजी पेशा बना लिया। पुलिस ने इसे गिरफ्तार किया है।डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि आरोपी राजपुर चुंगी निवासी देवेंद्र उर्फ राजू है। वह इंस्पेक्टर की वर्दी पहने हुए था। तीन सितारे भी लगे हुए थे। पुलिस की तरह जूते भी पहने था। वह वाहन चालकों को धमका रहा था। शिकायत मिली थी कि एक इंस्पेक्टर वाहनों से वसूली कर रहा है। मोबाइल से फोटो लेने के बाद चालान की धमकी दे रहा है। इस पर कार्रवाई की

गई। चौकी प्रभारी मांगेराम को भेजा गया। पहली बार में चौकी प्रभारी भी उसे इंस्पेक्टर ही समझने लगे। इसलिए सीनियर अधिकारी की तरह बात करने लगे। मगर, कुछ ही देर में देवेंद्र का भेद खुल गया। उसे पकड़ लिया गया। चार हजार में बन गया पुलिस वाला-आरोपी देवेंद्र चार हजार रुपये में पुलिस वाला बन गया। पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह कक्षा पांच तक पढ़ा है। कोरोना काल से पहले बिजलीघर स्थित एक दुकान से वर्दी खरीदी थी। लॉकडाउन में वो सड़कों पर निकलता था। वर्दी पहने होने की वजह से कोई रोकता नहीं था। बाद में वह वर्दी की मदद से आटो और बस में सफर करने लगा। वर्दी देखकर चालक डर जाते थे। किराया नहीं मांगते थे। खरीदारी करने किसी दुकान में जाता था तो डिसकाउंट भी मिल जाता था। वर्तमान में वह कोई काम नहीं कर रहा था। उसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। इस कारण सोचा कि वाहन चालकों से वसूली कर लेगा। चालान के डर से वो खुद ब खुद रकम दे देंगे। इससे वह खर्च निकाल लेगा। शिकायत से पकड़ा गया आरोपी-थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि आरोपी देवेंद्र से 2015 रुपये बरामद किए। यह उसने आटो चालकों से वसूली कर लिए थे। मामले में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और रंगदारी की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया। उसके खिलाफ पहले से थाना हरीपर्वत में चोरी का मुकदमा दर्ज है। आरोपी ने बताया कि अबुल उलाह कट पर पुलिस कम ही रहती है। इस कट पर आटो और बस खड़ी रहती हैं। इनके चालकों को धमकाकर वसूली कर लेगा। मगर, किसी ने शिकायत कर दी। वो पकड़ा गया।

यूपी में अवैध कब्जे के खिलाफ एक्शन:बलिया में 4 भाइयों का मकान जमींदोज, खुले आसमान के नीचे रहने को बेबस हुए लोग

जिले के गौरा ग्राम पंचायत में भीटे की जमीन पर कब्जा कर मकान बनाया गया था। जिसे हाईकोर्ट के आदेश पर गिराया गया। मकान गिरने के बाद चार भाइयों का परिवार आसमान के नीचे तीरपाल घेरकर रहने को बेबस हो गया है। हालांकि प्रशासन की ओर से आवास दिलाने का आश्वासन दिया गया है। उच्च न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को बेल्थरारोड तहसील के गौरा ग्राम पंचायत में भीटे पर अवैध कब्जा करने वाले चार भाइयों के मकानों को एसडीएम ने जमीदोंज करा दिया। मौके पर भीमपुरा और नगरा पुलिस के साथ तहसीलदार व लेखपालों की टीम मौजूद रही। इस कार्रवाई के बाद भू-माफियाओं में हड़कंप मचा है।यह है पूरा मामला- बेल्थरारोड तहसील के गौरा गांव की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर 2010 में तहसील न्यायालय में वाद दाखिल किया गया था। तहसीलदार न्यायालय द्वारा बेदखली का आदेश दिया गया था। उसके बाद गांव के ही वादी श्रीकांत शर्मा द्वारा उच्च न्यायालय में भीटे पर बने सदलू, खरभान, धन्नजय व रमेश प्रजापति पुत्रगण बानू के मकान को गिराने की अपील की गई थी। उच्च न्यायालय ने मामले में 7 फरवरी 2024 से पूर्व अवैध कब्जे को गिराकर रिपोर्ट तलब किया है। इसके तहत एसडीएम बेल्थरारोड एआर फारुखी, तहसीलदार पंकज शाही ने प्रतिवादी को मकान खाली कराकर स्वयं गिराने की नोटिस दी थी। प्रतिवादी ने अपने घर से सामान निकालकर खाली कर दिया था। दिए गए समय पर एसडीएम व तहसीलदार भीमपुरा व नगरा पुलिस के साथ जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे। देखा कि सदलू आदि का परिवार खेत में तिरपाल डालकर अपना सारा सामान रखा था। उपलब्ध कराएंगे आवास की सुविधा- यह देख अधिकारियों ने उनको जेसीबी उपलब्ध कराकर कहा कि आप खुद ही अपना घर अपने हिसाब से दो दिन में गिरा लो, ताकि ईंट आदि कामयाब हो जाए। नहीं तो हमको गिरवाना पड़ेगा। कहकर पूरी फोर्स लौट गई। इसके बाद सदलू आदि ने जेसीबी से अपना मकान खुद ही गिरवाना शुरू कर दिया। गौरा ग्राम सभा में भीटे पर अवैध कब्जा कर बनाए गए मकान को गिरवाने की प्रक्रिया के बाद एसडीएम बेल्थरारोड एआर फारूखी ने परिवार को खुले आसमान के नीचे देख कहा कि आप लोगों को आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जैसे पोर्टल खुलता है आपका आवेदन कर कार्यवाही आगे बढ़ा दी जाएगी। सदलू और उसके भाई मकान खाली करने के बाद खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। चारों भाई खेत में कटरैन व तिरपाल आदि से घेरकर अपना सारा सामान रखकर उसमें रहने को मजबूर हो गए हैं।

कैग रिपोर्ट झूठ का पुलिंदा, प्रधानमंत्री को लिखा पत्र; सोरेन की गिरफ्तारी पर भी बरसीं ममता

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को यहां केंद्र सरकार से मिलने वाली बकाया धनराशि को लेकर दो दिवसीय धरना शुरू किया। इस दौरान ममता ने बजट से लेकर हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर भी केंद्र पर हमला बोला। कैग रिपोर्ट को झूठ का पुलिंदा बताते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखने की बात कही। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार राज्य का बकाया नहीं दे रही है।धरने के पहले दिन ममता ने कहा, उन्होंने कैग रिपोर्ट के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। कैग रिपोर्ट लेकर पहुंचीं ममता बनर्जी ममता ने कहा, कैग रिपोर्ट कह रही है कि उन्होंने इसका उल्लंघन किया है। इसे लकर मैंने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा है। कैग रिपोर्ट पूरी तरह से झूठ का पुलिंदा है। उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर भी केंद्र को घेरा। ममता ने कहा, शक्तिशाली आदिवासी नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करती हूं। केंद्रीय एजेंसी एक चुनी हुई सरकार को कमजोर करने की साजिश रच रही है। यह बदले की साजिश है। ममता ने कहा, हेमंत मेरे करीबी दोस्त हैं। मैं इस कठिन समय में उनके साथ हूं। झारखंड की जनता जवाब देगी और कड़ी लड़ाई में हेमंत जीतेंगे। उन्होंने कहा कि सुना है कि रांची से पार्टी का जहाज भी उड़ने नहीं दिया जा रहा है।

पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सरदार बूटा सिंह जी को भारत रत्न दिलाए जाने की मांग अरविंद झंझोट

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली - पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री स्वर्गीय सरदार बूटा सिंह जी वाल्मीकि दलित समाज के लोकप्रिय जन हितेषी नेता को भारत रत्न का सम्मान दिलाने हेतु श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय श्री विनय प्रताप सिंह भदोरिया के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को संबोधित एक ज्ञापन पत्र राष्ट्रीय वाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट के नेतृत्व में जिला संयोजक नंदू प्रसाद वाल्मीकि डॉ सुरेश चंद राकेश कुमार वाल्मीकि लोकेश कटारिया अरुण झंझोट राष्ट्रीय सचिव मुकेश कुमार विशाल कुमार आदि ने श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय को ज्ञापन पत्र देकर बताया कि प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी के कार्यकाल में वाल्मीकि दलित समाज के वरिष्ठ नेता लोकप्रिय जन हितेषी सरदार बूटा सिंह जी केंद्रीय गृहमंत्री पद पर रहकर अपने कार्यकाल में उन्होंने गरीब कमजोर वर्गों के लिए जोतने के लिए भूमि और बेरोजगारों को रोजगार का अवसर प्रदान किया

और सरदार बूटा सिंह जी केंद्र में केंद्रीय दूर संचार मंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर और बिहार प्रदेश के राज्यपाल के पद पर रहे उक्त सभी पदों पर रहते हुए जन विकास के लिए राष्ट्र की उन्नति के लिए कार्य किया और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का गठन भी किया था

स्वर्गीय सरदार बूटा सिंह जी ने दलित पिछड़ा वर्गों के विकास के लिए व्यापारियों के किसानों के हितों के लिए जन-जन की आवाज को सुना और पीड़ितों को न्याय दिलाया राष्ट्रीय बाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच भारतीय अनुसूचित जन जागृति समिति के संरक्षक पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री स्वर्गीय सरदार बूटा सिंह जी को भारत रत्न का सम्मान दिलाने की मांग की उक्त अवसर पर राष्ट्रीय वाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट जिला संयोजक नंदू प्रसाद वाल्मीकि डॉक्टर सुरेश चंद राकेश कुमार वाल्मीकि लोकेश कटारिया अरुण झंझोट राष्ट्रीय सचिव मुकेश कुमार विशाल कुमार आदि शामिल रहे

पुलिस व स्वास्थ्य विभाग ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी भिनगा/इकौना/ जमुनहा के नेतृत्व में प्रभारी यातायात दिलीप कुमार यादव व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने आज वृहद स्तर पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया । थानाध्यक्ष एनएमपीटी , यातायात पुलिस व चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीम ने जनता इण्टर कॉलेज श्रावस्ती में कार्यशाला का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के सम्बन्ध में जागरुक किया साथ ही पम्पलेट्स भी वितरित किये।प्रभारी यातायात ने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलायें, दो पहिया वाहन चलाते समय हेल्मेट अवश्य लगायें, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, सड़क सुरक्षा संकेतो तथा ओवर स्पीड में वाहन न चलानें आदि के बारे में जानकारी दी तथा चिकित्साधिकारी ने छात्रों को आपातकालीन परिस्थिति में जीवन रक्षा के उपायों सहित सीपीआर के बारे में जानकारी दी । छात्रों को जागरूक करते हुये बताया कि एक्सीडेंट की घटना होने पर पीड़ित को सही इलाज मिले तो उसकी जिन्दगी को बचाया जा सकता है साथ ही तत्काल एंबुलेंस सेवा 108 व 112 में कॉल करें । थाानाध्यक्ष नवीन मॉडर्न पुलिस थाना द्वारा छात्र-छात्राओं को यातायात के नियमों से जागरूक करने के साथ-साथ गुड सेमेरिटन के विषय में जानकारी दी गई ।

नोडल शिक्षको का पाँच दिवसीय समेकित शिक्षा प्रशिक्षण शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती ब्लाक संसाधन केंद्र जमुनहा के सभागार कक्ष में दूसरे दिन प्रशिक्षण में समेकित शिक्षा के अंतर्गत द्विव्यांग बच्चो को शिक्षा प्रदान करने हेतु समस्त परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत नोडल शिक्षको का 5 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 31 जनवरी 2024 से प्रारम्भ हुआ गुरुवार को प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में 100 शिक्षकों में 95 शिक्षक उपस्थित रहकर प्रशिक्षण ब्लाक संसाधन केंद्र जमुनहा के सभागार कक्ष में कर रहे है। जिसमें खंडशिक्षाधिकारी जमुनहा प्रिया पाठक ने प्रशिक्षण को दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु शिक्षण की प्रविधियां, हिंदी ब्रेल लेखन हेतु शिक्षण प्रविधि, ब्रेल लेखन सरल प्रक्रिया / ब्रेल लेखन प्रक्रिया में सावधानियां, अंग्रेजी ब्रेल लेखन शिक्षण प्रविधि। जैसे ब्रेल स्लेट, गाइड, स्टाइलस व ब्रेल कागज का अनुस्थिति ज्ञान करायें। उसके विभिन्न हिस्सों व उसके कार्य से परिचित करायें।

ब्रेल कागज लगाना, निकालना व बदलना सिखाये आदि हाथो द्वारा बताया गया है। और संदर्भदाता द्वारा प्रशिक्षण द्विव्यांग एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चो की शिक्षा व्यवस्था, उनको शासन से मिलने वाली सुविधाओ आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की जा रही हैं। मौके पर कार्यालय सहायक गौतम शर्मा, लेखाकार दुर्गेश चंद्र श्रीवास्तव, कंप्यूटर आप्रेटर लाल मोहन, वीरेंद्र प्रताप सिंह, कृष्ण प्रताप, आलोक गुप्ता, पुष्प लता मिश्रा, तूलिका सिंह आदि शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

सशस्त्र सीमा बल ने किया इंडो-नेपाल काउंटर पार्ट समन्वय बैठक का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी, कमान्डेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा निर्देशन में व् निरुपेश कुमार, उप कमान्डेंट के नेतृत्व में सरवन कुमार पोखरेल जिलाधिकारी बांके नेपाल , रमेश विक्रम शाही पुलिस अधीक्षक नेपाल,क्क्त्र 30वीं वाहिनी ,सुभाष चन्द्र बोहरा पुलिस अधीक्षक नेपाल पुलिस, महान कुँवर पुलिस अधीक्षक आसूचना, जगदीश जोशी उपाधीक्षक नेपाल के साथ समवाय ककरदरी भ्रमण किया गया और राप्ती बैराज गेस्ट हॉउस में सार्थक समन्वय बैठक का आयोजन किया गया । इस समन्वय बैठक के दौरान सशस्त्र सीमा बल एवं नेपाल क्क्त्र दोनों पक्षों के बीच निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा एवं सहमति बनी-1. ख़राब स्तंभों का मरम्मत व् सीमा स्तम्भ चेकिंग संयुक्त गश्त 2. सीमा पर होने वाले अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, नेपाली नागरिको का सरल एवं सुरक्षित प्रचालन 3. अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण 4. जंगली जीव जंतुओं की सुरक्षा एवं अवैध तस्करी पर नियंत्रण, अवैध हथियारों की तस्करी पर नियंत्रण 5. मानव तस्करी व् नकली मुद्रा पर रोक 6. संदिग्ध व्यक्तियों पर लगातार निगरानी रखना

7. पहचान पत्र और नागरिकता चेक करने के बाद नागरिको को सीमा पार भेजने 8. मैत्रीखेल के आयोजन की तारीख का प्रस्ताव से सम्बंधित पत्राचार हेतु इस दौरान एस.एस.बी. की तरफ से तरुस्मा निरीक्षक मान बहादूर गुरुंग, उप निरीक्षक विकास कुमार व् अन्य उपस्थित रहे

गठबंधन के भीतर बड़ा संकट: इन सीटों पर फंसा पेंच, क्या चुनाव से पहले बढ़ेगी अखिलेश और जयंत की टेंशन?

गठबंधन में भले ही सीटों का गणित तय हो चुका है। लेकिन अभी दो सीटें ऐसी हैं, जिन पर सपा और रालोद के बीच पेंच फंसा हुआ है।लोकसभा चुनाव के लिए सपा-रालोद के बीच सीटों का गणित लगभग तय है। लेकिन समाजवादी पार्टी सियासी रण में रालोद के हिस्से की चार सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारना चाहती है, जिससे गठबंधन में असमंजस का माहौल है। हाथरस सुरक्षित और मुजफ्फरनगर सीट पर अंतिम सहमति नहीं बन सकी है। हालांकि, रालोद ने बिजनौर और कैराना में सपा के उम्मीदवारों पर हामी भर दी है। सियासी रण में गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच सीटों को लेकर खींचतान जारी है। रालोद के हिस्से में मुजफ्फरनगर, हाथरस सुरक्षित, मेरठ, बागपत, कैराना, बिजनौर और मथुरा सीट तय है। लेकिन सपा के दांव से रालोद के रणनीतिकार असहज है। सपा ने कैराना, बिजनौर, मुजफ्फरनगर और हाथरस सुरक्षित सीट पर अपने प्रत्याशी रालोद के सिंबल पर लड़ाने की रणनीति तैयार की है। सपा चाहती है कि कैराना और बिजनौर के अलावा हाथरस और मुजफ्फरनगर में भी उसके प्रत्याशी ही रालोद से चुनाव मैदान में उतरें। यहीं पर पेंच फंस गया है। अगर ऐसा हुआ तो रालोद के हिस्से में पिछले चुनाव की तरह सिर्फ तीन सीटें ही बचेंगी। छपरौली में 12 फरवरी को मंथन- रालोद के रणनीतिकार 12 फरवरी को छपरौली में जुटेंगे। यहां दिवंगत केंद्रीय मंत्री अजित सिंह की प्रतिमा का अनावरण होगा। यहीं पर लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर भी मंथन किया जाएगा। साक्षी मलिक को अखाड़े में उतारने की तैयारी- मुजफ्फरनगर सीट पर गठबंधन से सबसे चौंकाने वाला नया नाम ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक का भी चर्चा में शामिल हो गया है। रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह की पत्नी चारू चौधरी अगर चुनाव नहीं लड़ती तो बागपत या मुजफ्फरनगर से साक्षी मलिक के नाम पर भी मुहर लग सकती है। इसके अलावा पहलवान बजरंग पूनिया, बिजनौर के अभिनेता सुशांत सिंह का नाम भी रालोद के खेमे से आगे बढ़ाया जा रहा है। सांगवान और चढूनी भी बागपत के दावेदार- किसान आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले गुरनाम चढूनी और रालोद के पुराने नेता राजकुमार सांगवान भी बागपत से टिकट के दावेदार हैं। रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह और उनकी पत्नी चारू चौधरी के चुनाव नहीं लड़ने की स्थिति में दोनों विकल्प के तौर पर देखे जा रहे हैं। चर्चा यह भी है कि अगर चौधरी परिवार ने चुनाव नहीं लड़ा तो हरियाणा के किसी उम्मीदवार को मैदान में उतारा जाएगा, इनमें कोई सेलिब्रेटी भी शामिल हो सकता है। मुजफ्फरनगर से इनके नाम सबसे आगे- गठबंधन में मुजफ्फरनगर सीट पर सपा के कोटे से पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक दावेदार हैं। रालोद से ओलंपियन साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया, शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, पूर्व मंत्री योगराज सिंह, मनीषा अहलावत के नाम पर भी चर्चा चल रही है।

नरेश टिकैत बोले- सरकार के आगे दुम हिलाती है ईडी, बजट और सीएम गिरफ्तारी को लेकर कही बड़ी बात

भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि ईडी सरकार के आगे दुम हिलाती है। जो भी सरकार के खिलाफ बोलता है, उसी के पीछे ईडी लग जाती है।भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि ईडी सरकार के आगे दुम हिलाती है। जो भी सरकार पर सवाल उठाते हैं, ईडी उन्हें ही डराने लगती हैं।चौधरी नरेश टिकैत शुक्रवार को दरकावदा गांव में इस्लाम प्रधान के आवास पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि एमएसपी को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत 16 फरवरी को भारत बंद का आवाह्न किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पेश किया गया बजट उनकी कोई समझ में नहीं आया। बजट में किसानों व ग्रामीणों की पूरी अनदेखी की गई है। सरकार को किसानों की सुननी चाहिए। वहीं, लोकसभा चुनाव के बारे में पूछे जाने पर कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा जो भी निर्णय लेगा, उसी के अनुसार कार्य किया जाएगा। उन्होंने ईडी द्वारा छापा मारने के सवाल पर कहा कि एक मुख्यमंत्री अपने प्रदेश का राजा होता है। उनको जेल भेजना गलत है, चाहे वह किसी भी पार्टी का हों।उन्होंने कहा कि ईडी सरकार के इशारों पर कार्य कर रही है। जो भी सरकार के खिलाफ बोलता है, सरकार उसके पीछे ईडी को लगा देती है।

लखनऊ से सटे मलिहाबाद में ट्रिपल मर्डर, जमीन के विवाद में दिनदहाड़े तीन की गोली मारकर हत्या; एक घायल

मलिहाबाद में शुक्रवार को जमीन को लेकर हुए विवाद में दंपती व उनके बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दोनों पक्षों में जमीन की पैमाइश को लेकर विवाद हुआ था।मलिहाबाद के मोहम्मद नगर इलाके में शुक्रवार दोपहर जमीन की पैमाइश के दौरान पिता-पुत्र और महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। फायरिंग के दौरान गोली लगने से महिला के पति भी घायल हो गए।

हत्या का आरोप मृतक महिला के सगे चाचा पर लगा है। फिलहाल पुलिस के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और छानबीन की जा रही है।मलिहाबाद के मोहम्मदनगर निवासी फरहीन (35) का सगे चाचा लल्लन से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उक्त मामले में शुक्रवार को दोनों पक्ष जमीन की पैमाइश के लिए जुटे थे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि लल्लन पक्ष के लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान गोली मुनीर (55), उनके बेटे हंजाल (16), फरहीन और उनके पति फरीद को लगी। अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग से वहां दहशत फैल गई। गोली लगने से मुनीर, फरहीन और हंजाल की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद सभी आरोपी वहां से भाग खड़े हुए। दिनदहाड़े तीन लोगों की हत्या की खबर पाकर मौके पर डीसीपी पश्चिम राहुल राज सहित अन्य अधिकारी भी पहुंच गए। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल फरीद को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और छानबीन की जा रही है।

कन्नौज कोर्ट में चली गोली, निशाना चूकने से बाल-बाल बची युवक की जान; वकीलों ने कचहरी के बार किया प्रदर्शन

यूपी के कन्नौज - मौजूद लोगों और अधिवक्ताओं ने गोली चलाने वाले आरोपी युवक की पकड़ कर धुनाई कर दी। पुलिस उसे किसी तरह छुड़ा कर ले गई। यूपी के कन्नौज स्थित कचहरी में शुक्रवार को उस वक्त वकीलों में हड़कंप मच गया जब वकीलों के चैंबर में गोली चल गई। बताया जा रहा है कि हत्या के एक मामले में जुड़े दो पक्ष शुक्रवार को पेशी पर आए थे। पेशी के बाद वादी ने आरोपी युवक पर तमंचे से फायरिंग कर दी।

निशाना चुकने से वो बाल-बाल बच गया। मौजूद लोगों और अधिवक्ताओं ने गोली चलाने वाले आरोपी युवक की पकड़ कर धुनाई कर दी। पुलिस उसे किसी तरह छुड़ा कर ले गई।

इस घटना के बाद से वकीलों में नाराजगी है।

सपा के टिकट घोषित होने पर कांग्रेस ने साधी चुप्पी, प्रदेश कमेटी ने मांगी दावेदारों की सूची

लोकसभा चुनावों के लिए सभी पार्टियों ने तैयारी करनी शुरू कर दी है। सपा ने यूपी में उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इसमें मुरादाबाद मंडल की संभल सीट पर डॉ शफीकुर्रहमान बर्क को फिर से उम्मीदवार बनाया गया है। सपा की सूची जारी होने के बाद कांग्रेस नेताओं ने चुप्पी साध ली है। सपा की तरफ से संभल सीट के लिए टिकट घोषित होने के बाद कांग्रेस के प्रदेश स्तर के नेताओं ने चुप्पी साध ली है लेकिन कांग्रेस अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। प्रदेश में मुरादाबाद मंडल ऐसा रहा, जहां 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा को एक सीट भी नसीब नहीं हुई।

इसका मुख्य कारण सपा के साथ बसपा और रालोद का गठबंधन था।2024 के लोकसभा चुनाव में सपा से बसपा अलग होकर चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी है। सपा ने बसपा की जगह कांग्रेस और रालोद का गठबंधन बनाया है लेकिन गठबंधन की बैठक से पहले सपा ने 16 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। इसमें मुरादाबाद मंडल की एक सीट संभल शामिल है। लोकसभा उपचुनाव में भाजपा ने किसी प्रकार रामपुर लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। सपा के प्रत्याशी घोषित होने पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि वह कुछ नहीं बोलेंगे। पार्टी आलाकमान से सीट शेयरिंग के मामले में वार्ता चल रही है लेकिन कांग्रेस यूपी जोड़ो यात्रा के माध्यम से मुरादाबाद मंडल का दौरा कर चुकी है। भाजपा के खिलाफ हर मुद्दे पर कांग्रेस धरना प्रदर्शन के माध्यम से विरोध जारी रखे हुए है। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर लोकसभा चुनाव की तैयारी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी कर रहे हैं।इधर सपा के जिलाध्यक्ष डीपी यादव का कहना है कि सपा प्रदेश में 70 सीटें जीतेगी। मुरादाबाद मंडल पर इंडिया गठबंधन का कब्जा होगा। भाजपा कुछ नहीं कर पाएगी। सपा ने प्रत्येक विधानसभा में अपने पदाधिकारियों को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी के जिलाध्यक्षों ने दावेदारों की सूची प्रदेश अध्यक्ष को सौंप दी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दावेदारों की सूची मांगी-प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मुरादाबाद मंडल के प्रत्येक जिलों के जिलाध्यक्षों से दावेदारों की सूची मांगी है। सूची में दावेदारों का बायोडाटा दिया जाएगा। इसमें मोबाइल नंबर, उम्र, राजनीतिक-सामाजिक गतिविधियां, पता, जाति, शिक्षा, लोकसभा एवं जनपद का नाम शामिल होगा। कांग्रेस की प्रदेश स्तर की कमेटी दावेदारों के बारे में मंथन करेगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पार्टी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने के लिए तैयारी कर रही है। इसी कारण प्रत्येक ब्लॉक में दो फरवरी से कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं।

मां-बाप के इनकार के बाद शादी के वादे से मुकरना दुष्कर्म का अपराध नहीं, हाईकोर्ट का अहम आदेश

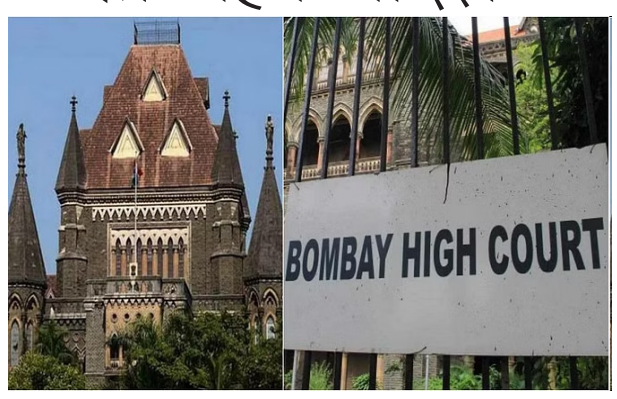

आरोपी युवक ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बताया कि वह महिला से शादी करना चाहता था, लेकिन महिला ने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया। महिला ने किसी अन्य से शादी की बात कही बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति अपने मां-बाप के इनकार के बाद शादी के वादे से मुकरता है तो उसके खिलाफ दुष्कर्म का अपराध नहीं बनता। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ 31 साल के एक युवक को कथित तौर पर महिला से दुष्कर्म के मामले में जमानत दे दी। एकल जज वाली जस्टिस एम डब्लू चंदवानी की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी व्यक्ति ने झूठ बोलकर शारीरिक संबंध नहीं बनाए हैं बल्कि सिर्फ शादी के अपने वादे का उल्लंघन किया है। क्या है मामला- 33 वर्षीय एक महिला ने साल 2019 में नागपुर में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस एफआईआर में महिला ने दावा किया कि वह एक व्यक्ति के साथ साल 2016 से रिश्ते में है। महिला ने आरोप लगाया कि युवक ने शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। महिला ने बताया कि युवक की जब दूसरी जगह शादी तय हो गई तो उसने पुलिस में दुष्कर्म की शिकायत की। आरोपी युवक ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बताया कि वह महिला से शादी करना चाहता था, लेकिन महिला ने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया। महिला ने किसी अन्य से शादी की बात कही। युवक ने बताया कि उसके मां-बाप और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी शादी कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसने दूसरी महिला से शादी करने की हामी भरी। इसके बाद महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता व्यस्क महिला है और उसके द्वारा लगाए गए आरोप यह साबित नहीं करते कि व्यक्ति ने झूठा वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। यह मामला वादा पूरा न करने का मामला है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई तथ्य नहीं मिला है, जिससे यह लगे कि आरोपी युवक की महिला से शादी नहीं करना चाहता था और उसने सिर्फ शारीरिक संबंध बनाने के लिए झूठा वादा किया हो। सिर्फ इस आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का अपराध नहीं बनता है।

आयुष्मान योजना का लाभ मिलने का स्वागत करते हुए सरकार मानदेय पर ध्यान दें

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली केंद्र सरकार के अंतर्गत बजट में आशाओं को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिए जाने की घोषणा हुई इसे लेकर आशाओं की बात की गई तो उन्होंने आयुष्मान योजना का लाभ दिए जाने की घोषणा का स्वागत करते हुए खुशी व्यक्त की साथ ही सरकार से मानदेय पर ध्यान देकर बढ़ाने की मांग की शहर के मोहल्ला बढियाल निवासी प्रियंका ने कहा की आशाओं को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने की घोषणा का स्वागत योग्य है अन्यथा दिन रात मेहनत करती है और सरकार के जनहित में चलाई जाने वाले कार्यक्रम और योजनाओं का पत्रों को लाभ दिलाने का कार्य करती है सरकार को आशाओं का मानदेय भी बढ़ना चाहिए मोहल्ला रेल पर पंजाबी कॉलोनी निवासी कल्पना ने कहा अतिरिक्त बजट में आशाओं को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने की घोषणा का लाभ मिलेगा यह अच्छी बात है कि सरकार ने आशाओं के बारे में भी सोचा है इसके लिए सरकार का धन्यवाद सरकार मानदेय में भी बढ़ोतरी कर रही तो आशा अपने परिवार का पालन पोषण बेहतर तरीके से कर सकेगी मोहल्ला गौशाला रोड निवासी अक्षम ने कहा वह मात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड आधार कार्ड आदि बनाने का कार्य करती है

एटा महोत्सव को इन्द्र ने किया ध्वस्त

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-एटा महोत्सव के कागजीय जाहज का जायजा इन्द्र के पहले डोज से पानी पानी हुआ खेल तमाशों में खेल करने वाले निरंकुश वेलगाम भष्ट्र प्राकृतिक के खेल से चकनाचूर जनपद में 12 जनवरी से राजकीय कृषि एवं विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ मंडला आयुक्त रविंद सिंह द्वारा विधिवत हवन पूजन के वाद फीताकाट कर किया गया था। नुमाईस ग्राउंड का ठेका हर वर्ष से महंगा 1 करोड़ 75 लाख का उठने के बाबजूद भी ब्यापारियों एवं आमजन को पूर्ण रूप से आवागमन की समस्याओं से निजात पाने की आवश्यक सुविधाएं मुहेया नहीं हो सकी। एक रात की बारिश ने प्रशांसन की पोल खोलकर रख दी। वारिश से ब्यापारिओं को भारी नुकशान की आशंका व्यक्त की जा रही हैं। *वारिश से पांडाल में बारिश के पानी भरने से व्यवस्थाएं चरमारा गयीं। 1 करोड़ 75 लाख का ठेका होने के वाद भी ब्यापारियों एवं छोटे छोटे दुकानदारों को अव्यवस्थाओं से गुजरना पड़ रहा हैं।

इतना महंगा ठेका होने के बाबजूद ब्यापारियों की समस्याओं का निदान को दृष्टिगत नहीं रखा जाता हैं। जानबूझ कर प्रशांसन क्यों कुम्भकरणी नींद में सोया रहता हैं। एटा नुमाईश के समय हर वर्ष बारिश होती होती हैं। फिर भी प्रशांसन जानबूझ कर बारिश से बचाब के लिये प्रशांसन कुम्भकरणी नींद से जागने का नाम नहीं लेता हैं। ब्यापारियों को ठेके दारों द्वारा छोटी छोटी दुकानों के लिये जगह देने के एवज में मोटी रकम चुकानी पड़ती हैं। किन्तु आवश्यक सुविधाओं से वंचित क्यों रखा जाता हैं। जरा सी वारिश से नुमाईश ग्राउंड तालाब में तब्दील हो जाते हैं। जिला प्रशांसन द्वारा जानबूझ कर इन समशयाओं से निजात दिलाने में नाकारा सावित होता हैं।

शामली में चोरों की गिरफ्तारी के बाद खगाली जा रही है बैंक डिटेल

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली शहर कोतवाली पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार शादी चोरों की कुंडली खगालने में जुटी है पुलिस साथी चोरों के बैंक खातों को सीज कराए जाने की तैयारी कर रही है इसके साथ ही उनके ठिकानों को भी चिन्ह किया जा रहा है इसके लिए स्थानीय पुलिस में बेंगलुरु पुलिस से संपर्क किया है शहर कोतवाली पुलिस और एस ओ जी ने मुठभेड़ में साथी कर समयदिन ऑफ सम्मा निवासी मोहल्ला नई बस्ती कांधला और शाहनवाज निवासी मोहल्ला ईदगाह थाना भवन को गिरफ्तार किया था समय दिन पर में गोली लगने से घायल हुआ था पुलिस ने दोनों साथियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया पुलिस के मुताबिक समय दिन व शाहनवाज जिले में चोरी की घटना करने के बाद कर्नाटक के बेंगलुरु में भाग जाते थे वहां भी चोरी की वारदातें करने के बाद फिर शामली आ जाते थे समय दिन वैसे नवाज बंद मकान को निशाना बनाते थे पूछताछ में साहीरो ने राजस्थान के जयपुर में भी चोरी करना बताया उनका एक साथी अभी फरार है जो इन्हें शरण देता था पुलिस ने दोनों साथी चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कार्यालय में पेश किया था जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया अब पुलिस साथिरो के बैंक खातों की डिटेल में जुटी है अगर खाते में रकम जमा मिलती है तो उनके हाथों को सीज कराया जाएगा इसके अलावा पुलिस साथियों के ठिकाने को अभी चिन्हित करने में जुटी है स्थानीय पुलिस के बेंगलुरु पुलिस से संपर्क साढ़गर साथियों के बारे में जानकारी मांगी है कोतवाली प्रभारी समय पाल अत्री ने बताया की साथी चोरों के बारे में जानकारी जुटाए जा रही है कर्नाटक के जिला कंटूर बुक सेट कॉलोनी में समय दिन की पत्नी रेशमा और उसके तीन पुत्र किराए के मकान में रहते हैं मूल रूप से समधिन का यहां अपना कोई मकान नहीं है

संबंधों से आहत होकर पिता ने दोस्तों संग रची थी हत्या की योजना

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-थाना जलेसर क्षेत्रांतर्गत हुई सोहेल हत्याकांड की सनसनीखेज घटना का पर्दाफाश, पुत्री के सोहेल के साथ मधुर संबंधों से आहत होकर पिता ने दोस्तों संग रची थी हत्या की योजना, मुख्य आरोपी सहित दो अभियुक्त घटना में प्रयुक्त एक आल्टो कार सहित गिरफ्तार। घटना का विवरण- दिनांक 28.01.2024 को वादी असलम खान पुत्र हलीम खान निवासी नई बस्ती, हथौड़ा थाना जलेसर एटा द्वारा प्रवीन शर्मा तथा उसकी पत्नी द्वारा वादी के पुत्र सोहेल को घर में बंधक बना लिए जाने के संबंध में थाना जलेसर पर दी गयी लिखित तहरीर के आधार पर मुअसं- 26/2024 धारा 342, 504, 506 भादवि0 बनाम प्रवीन शर्मा उर्फ पम्मी शर्मा पुत्र नामालुम निवासी मौ0 महावीर गंज कस्बा व थाना जलेसर एटा आदि 02 नफर पंजीकृत किया गया था। प्रकरण में सोहेल की बाइक अकराबाद बंबा जिसमें पानी नहीं है, उससे बरामद हुई थी। दिनांक 28.01.2024 को सोहेल का अज्ञात में शव थाना एत्मादपुर जनपद आगरा क्षेत्रांतर्गत रेलवे लाईन के किनारे मिलने पर शव की शिनाख्त न हो पाने के चलते थाना एत्मादपुर से शिनाख्त एवं पोस्टमार्टम की कार्यवाही हेतु रखा हुआ था, जिसमें दिनांक 31.01.2024 को सूचना मिलने पर परिजनों द्वारा शव की शिनाख्त सोहेल के रूप में की गई है। इसके आधार पर उपरोक्त अभियोग को धारा 302, 201, 120बी, 34, 342, 504, 506 भादवि में तरमीम किया गया। अनावरण तथा गिरफ्तारी - दिनांक 02.02.2024 को थाना जलेसर पुलिस द्वारा उक्त घटना में वांछित चल रहे अभियुक्त प्रवीन शर्मा उर्फ पम्मी पंडित तथा प्रकाश में आए अभियुक्त धर्मपाल उर्फ टुल्लन को ग्राम रेजुआ बंबा की पुलिया के पास से समय करीब प्रातः 05.00 बजे घटना में प्रयुक्त आल्टो कार सहित गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है साथ ही प्रकाश में आए अन्य फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित कर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

अखिल भारतीय सनातन परिषद के प्रदेश संगठन महामंत्री राजू आर्य का मारहरा में किया गया भव्य स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-अखिल भारतीय सनातन परिषद के प्रदेश संगठन महामंत्री राजू आर्य का मारहरा में किया गया भव्य स्वागत जिला केशरी शिवा पहलवान को हिन्दू वादी नेता ने पुरस्कृत कर किया सम्मानित एटा जनपद के कस्बा मारहरा में युवा नेता बबलू चौधरी के आवास पर सैकड़ों लोगों ने मिलकर अखिल भारतीय सनातन परिषद के नव नियुक्त प्रदेश संगठन महामंत्री चर्चित हिन्दू वादी नेता राजू आर्य का फूल मालाओं से लाद कर भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर राजू आर्य ने कहा कि सनातन धर्म विश्व का सबसे पुराना धर्म है जिसमें सब के कल्याण की कामना की गई है।

इस अवसर पर हिन्दू वादी नेता ने हालही में बने जिला केशरी शिवा पहलवान को शॉल ओढ़ाकर माला पहना कर तथा 1100 रुपए देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से चर्चित सर्जन डॉ राबिन यादव को भी बबलू चौधरी ने सॉल उड़ा कर एवम् फूल मालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम में हिन्दू वादी नेता राजू आर्य के साथ प्रधान सुमित कुमार, प्रधान प्रवेश यादव , प्रधान दिनेश यादव, प्रधान सतेन्द्र यादव,प्रधान ओमकार नेता जी,सतेन्द्र नेता जी ,प्रदीप कुमार किसान नेता किशू यादव ,बीजेपी नेता राहुल भारतद्वाज, नितिन यादव,कल्लू पुंढीर,ठाकुर रामेंद्र सिंह ,मोनू ठाकुर, विपन यादव, सौरव वर्मा ,दीपक वर्मा ,अनिल कुमार ,अशोक यादव,अनुराग यादव,निर्दोष गोला ,मनीष नागर ,योगेश कुमार ,गुलशन यादव, सन्जू यादव,नेपाली नागर,राजकुमार सिंह तथा रामवीर कुशवाह सहित सैकड़ों लोगों का जन समूह उपस्थित था

नाजायज चाकू के साथ एक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद

श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी नगर/भिनगा अतुल कुमार चौबे के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती के नेतृत्व में मय पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान वांछित/अपराधी एवं संदिग्ध वाहन/व्यक्ति की चेकिंग के क्रम में जगदीश पुत्र शिवराम चौहान निवासी धर्मपुर थाना इकौना जनपद श्रावस्ती को 01 अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया बरामदगी के आधार पर थाना मल्हीपुर पर मुकदमा पंजीकृत किया ।

हाथरस जिले के अध्यक्ष रमेश चंद्र एवं महासचिव हरिश्चंद्र राजपूत को नियुक्त करते हुए समर्थकों सहित आमंत्रित किया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-जनपद हाथरस के गांव पोरा में अखिल भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले संगठन के पदाधिकारी / कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई जहां पर सर्वसम्मति से रमेश चंद को जिलाध्यक्ष हाथरस एवं जिला महासचिव हरिश्चंद्र राजपूत को नियुक्त किया गया उक्त पदाधिकारियों से यह उम्मीद की गई कि अतिशीघ्र जनपद की कार्यकारिणी गठित कर संगठन विस्तार में सहयोग करेंगे साथ ही उपस्थित साथियों को राजकीय जिला कृषि एवं औद्योगिक विकास प्रदर्शनी के भव्य पंडाल में अखिल भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले दिनांक 07 फरवरी 2024 को प्रस्तावित प्रांतीय किसान सम्मेलन में शामिल होने के लिए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल संघर्षी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ राजपाल सिंह वर्मा नन्नू सिंह वर्मा ने संयुक्त रूप से निमंत्रण पत्र शॉप आमंत्रित किया सभी ने साथियों सहित आने का आश्वासन दिया।

Fight against cancer: There is a need to promote cancer screening and prevention, so that the mortality rate of this disease can be reduced.

In developed countries, cancer screening is more prevalent and the health care systems in these countries prioritize preventive care, including cancer screening, to detect diseases at an early stage and improve treatment outcomes. There is a need for special improvement in this direction in India. Senior Consultant and Director of Population Research Karkinos Healthcare – In recent years, India has emerged as the world's third largest cancer country, with oncology now competing with cardiology in diagnosis, care and management in leading healthcare chains. .

Cancer screening and early detection programs in India are not as prevalent and comprehensive as they should be, especially when compared with developed countries. In developed countries, cancer screening is more established and the health care systems in these countries prioritize preventive care, including cancer screening, to detect diseases at an early stage and improve treatment outcomes. Young women in their 20s are encouraged to participate in cervical cancer screening programs, allowing their country's preventive health systems to work on a larger scale. Unfortunately, India has not included this type of early detection or screening in any age group nor has the country implemented mandatory screening practices within communities. India needs special improvements in cancer screening – Developed countries invest in public health campaigns and educational initiatives to raise awareness about the importance of cancer screening. They promote regular screening guidelines and inform the public about the benefits of early detection. Cancer treatment is expensive, so policy making for cancer screening programs should consider economic factors in their design and implementation. Considering the population density and increasing incidence rate of cancer in our country, India should adopt cancer screening and implement it on a large scale rapidly. India started its screening program for the most common cancers in 2010 under the NPCDCS programme. However, due to competing priorities for health care expenditure as well as changing political and economic conditions across the country, the process of early detection and treatment of cancer has not received due attention. Developed countries generally have better access to health services, including cancer screening facilities. Health care infrastructure is well developed and people have easy access to screening programs and specialized cancer centres. Whereas, many people in India, especially in rural areas and lower socioeconomic groups, may not be aware of the importance of cancer screening and its potential benefits. A significant portion of the Indian population lives in rural areas where health care infrastructure is extremely limited. Regular screening programs and healthcare coverage—In developed countries, governments take the lead in organizing national or regional cancer screening programs, offering free or subsidized screening for specific cancers, such as breast, cervical, colorectal, and prostate cancer. These programs target certain age groups or high-risk populations and aim to increase screening participation rates. Many developed countries also have universal or near-universal health care coverage, ensuring that a large portion of the population Can access cancer screening services without financial barriers. Sadly, such practices are lacking in India. But, over the past several years, the Indian Health Ministry has woken up to this need and has made several efforts to make cancer screening more widespread. Need to recognize the importance of cancer screening – It is clear that India urgently needs a new commitment to cancer prevention, treatment and care that recognizes the growing challenges and opportunities to address them, including advanced developments in cancer care. also includes. India needs to enhance its health care practices so that people realize that screening for common cancers is as necessary and common as screening for the presence of cholesterol, high blood sugar and high blood pressure. Strong infrastructure and comprehensive, risk-agnostic cancer screening programs must be vigorously pursued in the country to bring about a significant change in the rising incidence of cancer. It is the responsibility of both public and private enterprises and state health departments to launch screening programs as effective as possible to see real benefits.

Alert: New Zealand bans PFAS in cosmetic products, are you also using them?

Many types of chemicals used in cosmetic products can have serious effects on the skin. Researchers said that some types of products may contain so many harmful chemicals that they may pose a risk of serious side effects. PFAS (per- and polyfluoroalkyl substances) are chemicals that have been used in cosmetic products like nail polish, shaving cream, foundation, lipstick, and mascara. Studies have found that PFAS can not only accumulate in the skin, Also, it can cause many side effects and even cancer. In view of the risks caused by the PFAS, New Zealand has decided to ban the use of PFAS in cosmetic products. PFAS will be banned starting December 31, 2026. Let us know why PFAS have been used in cosmetic products and what kind of harm it can cause to the skin? PFAS can be very harmful - Reports show that PFAS have been used in cosmetic products to keep the skin smooth, It has been used to make products more durable and make them water resistant. This chemical increases the effectiveness of cosmetic products but it can be harmful for our body in many ways. New Zealand has become the first country to ban the use of PFAS in order to protect consumers and the environment. Researchers say that these chemicals do not break down easily. These can accumulate in the body and cause extremely toxic effects. Know about PFAS – PFAS may increase the risk of a variety of health problems. Due to this, the risk of cancer, birth defects and problems related to immune system disorders increases significantly. Over time, they can also accumulate in the body and increase long-term risks. PFAS are widely used in everyday products such as cosmetics, and avoiding them can help prevent their side effects. It is noteworthy that PFAS is a large and complex group of 15000 synthetic chemicals which have been used in consumer products around the world since the 1950s. Many household items may contain PFAS - health experts say, use of PFAS chemicals It has been used in clothing, furniture, adhesives, food packaging, heat-resistant non-stick cooking surfaces, and electrical wire insulation. PFAS are also known as forever chemicals, meaning they can be found everywhere. This chemical can be present in drinking water or even blood. This can even lead to cancer - Health experts say that knowingly or unknowingly we can come in contact with PFAS in many ways. People may be at risk of inhaling these chemicals by consuming contaminated water or food, using products made with PFAS, or breathing air containing PFAS. In the long run, these can cause many types of diseases in the body. Risk factors can range from increased cholesterol levels, changes in liver enzymes, weakened immune system, low birth weight and kidney to testicular cancer. The New Zealand government has taken major steps to reduce exposure to this deadly cancer, experts say, adding that such efforts are needed in all countries. Until governments and health agencies around the world conduct thorough research and ban harmful agents based on it, we all must continue to take preventive measures. The side effects of these types of chemicals can be avoided by using plastic containers to store food and avoiding non-stick cookware.

Ankita will take revenge for the defeat of 'Bigg Boss 17', will she become a serpent and romance Ankit Gupta?

'Naagin' is one of the hit shows of television. It is the dream of every actor in the television world to play the lead character in this show. If media reports are to be believed, Ankita

Lokhande will share the screen with Ankit Gupta in the next season of 'Naagin'. Famous television actress Ankita Lokhande could not become the winner of 'Bigg Boss 17', but as soon as she left the house of 'Bigg Boss' He is getting more than one project after another. Yesterday, Ankita shared a post on her social media handle and told her fans that she will share the screen with Randeep Hooda in the film 'Veer Savarkar'. Not only this, if media reports are to be believed, Ekta Kapoor has also signed Ankita for one of her ambitious projects. She will be seen in 'Naagin 7'! Ankita Lokhande has made countless headlines with 'Bigg Boss 17'. During the show, Ankita was in the news for her fights with her husband Vicky Jain. Now even after coming out of 'Bigg Boss' house, she remains in the headlines. If sources are to be believed, Ekta Kapoor has signed Ankita Lokhande for her hit show 'Naagin 7'. Ankita has worked with Ekta Kapoor before also. Will romance with Ankit Gupta! 'Naagin' is one of the hit shows of television. It is the dream of every actor in the television world to play the lead character in this show. If media reports are to be believed, Ankita Lokhande will share the screen with Ankit Gupta in the next season of 'Naagin'. Ankit Gupta has made headlines with 'Bigg Boss 16'. There is already a lot of excitement among the audience to see the pairing of Ankit and Ankita together. Fans of both the stars are commenting fiercely for their favorite stars on social media. Ekta and Ankita's friendship - When Ankita was in 'Bigg Boss 17', Ekta Kapoor openly supported her. Ankita got recognition on television from Ekta Kapoor's show 'Pavitra Rishta'. This serial made Ankita a star of the television industry overnight. Ankita worked with Sushant Singh Rajput in 'Pavitra Rishta'.

After Arbaaz's second marriage, Georgia broke silence on breakup, said this on dating rumours.

Bollywood actor Arbaaz Khan got married for the second time at the end of the year 2023. He married makeup artist Shura Khan. Before Shura, Arbaaz Khan was dating actress

Georgia Andriani, but later they both broke up. Now, a month after Arbaaz's marriage, Georgia has openly discussed her breakup with him in an interview. Wishing well for Arbaaz - Days after Arbaaz Khan's marriage with Shura Khan, the actor's ex-girlfriend Georgia Andriani opened up about her breakup with him in a recent interview. Praising Arbaaz Khan, Georgia said, 'He is a good person. Yes, we separated and the void of leaving a partner will always be there. Because it is not easy'. There will always be a feeling for them - Georgia further said, 'You personally get involved in a relationship with someone, but when the relationship ends, you have to move on. "I wish them the best and have moved on with their lives," Giorgia said. However, Georgia also said that Arbaaz was like her best friend and she will always have feelings for him. Salman Khan gave fitness tips - During this, he also opened up about the rumors of dating another actor in the industry. talked to. Georgia termed these as rumors and said that there is no truth in it. During this, Georgia also mentioned Salman Khan and talked about her fitness. He told that Salman Khan had advised him on fitness. He works out four times a day, but his fitness routine is quite different. He incorporated his tips into his fitness routine. Second marriage after 6 years of divorce from Malaika- Let us tell you that Arbaaz Khan married Malaika Arora in the year 1998. The two also became parents to a son, Arhaan Khan. The couple then announced their separation in 2016 and got divorced in 2017. Currently, both are co-parenting their son together.

Before Hiramandi, the life of courtesans was seen in these films, now Sanjay Leela Bhansali will show a unique story.

After 'Devdas' and 'Gangubai Kathiawadi', Sanjay Leela Bhansali is all set to throw light on the golden age of courtesans in India in his upcoming series 'Hiramandi'. The teaser video of the series has made fans more excited. The audience is eagerly waiting to see Bhansali's magic on screen. In such a situation, let's take a look at five memorable Bollywood films, which gave us a glimpse of the lives of real-life courtesans.Hiramandi First of all let us talk about Sanjay Leela Bhansali's series. Today, Thursday, February 1, the first look of 'Hiramandi' was released, in which a glimpse of Bhavata was seen. In Hiramandi, stories of that market will be shown, where courtesans also used to be queens. The series of Bhansali Productions includes many actors including Manisha Koirala, Sonakshi Sinha, Aditi Rao Hydari, Sharmin Sehgal, Richa Chadha and Sanjeeda Sheikh. Gangubai Kathiawadi - Sanjay Leela Bhansali's 'Gangubai Kathiawadi' is at number two in this list, In which Alia Bhatt was in the lead role. The film received immense love and appreciation from the audience. The actress played the role of a girl from an affluent family who is sold into prostitution. She then becomes a brothel owner with the help of the underworld and also gains rights and protection for prostitutes. The film also stars Ajay Devgan, Shantanu Maheshwari, Seema Pahwa and Vijay Raaz in lead roles. The film is based on the life of Gangubai Kothewali and a chapter from Zaidi's book 'Mafia Queens of Mumbai'. Begum Jaan - In the film 'Begum Jaan', Vidya Balan played the role of a brothel madam in a huge mansion in undivided India. The film tells the story of eleven prostitutes who refused to be separated from their brothels and from each other during the partition of India and Pakistan. Directed by Srijit Mukherjee, the film also featured Pallavi Sharda, Gauahar Khan, Mishti Chakraborty, Ila Arun and Chunky Pandey in lead roles.Pakija- 'Pakija' is the story of a beautiful courtesan named Sahibjaan, played by none other than Meena. Kumari has played it. In the film she plays a girl who is unable to break out of the cycle of prostitution until a young forest ranger named Salim falls in love with her striking beauty and innocence. However, unfortunately their wealthy parents are against their union. Apart from Meena Kumari's beauty and acting, what made the film a hit among the audience was Ghulam Mohammed's music. The film completed 51 glorious years in 2023 and is still fresh in people's minds. Mughal-e-Azam - Even after more than six decades of its release, 'Mughal-e-Azam' is undoubtedly one of the best films in Bollywood. Is one of. This film is the story of a ruined prostitute 'Anarkali', whose character was played on screen by Madhubala. Her character falls in love with Mughal prince Salim, played by Dilip Kumar. The illicit love affair not only causes war between the father-son duo in the film, but also takes Anarkali on the path of loneliness, heartbreak and self-destruction. Umrao Jaan-'Umrao Jaan' released in the year 1981 Hui was a biography, directed by Muzaffar Ali. The film was based on a novel named 'Umrao Jaan Ada', written by Mirza Hadi Ruswa. 'Umrao Jaan' is the story of Umrao, a courtesan from Lucknow, who was known as Amreen in her childhood, but an incident in her life forces her to become a brothel. Rekha played the role of Umrao Jaan in this film.